Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -93 गुरूवार ,02 फरवरी 2023, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

किस्मत से या भगवान की इच्छा से कोई गरीब नहीं होता,अपने कर्म से ही मनुष्य गरीब होता है।

-स्वामी विवेकानंद-

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आम बजट को मंजूरी दी

नई दिल्ली,01 फरवरी 2023(ए)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2023-24 के आम बजट को बुधवार को हुई बैठक में मंजूरी दे दी। बजट पेश किए जाने से पहले यहां संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। बैठक में वर्ष 2023-24 के लिए लोकसभा में पेश किए जाने वाले आम बजट को मंजूरी दी गई।

प्रधानमंत्री और स्पीकर ने सरमा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी

नई दिल्ली,01 फरवरी 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की।

प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में लिखा, असम के मेहनती मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा जी को जन्मदिन की बधाई। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। मोदी ने सरमा की प्रशंसा भी की और कहा कि वह कई जन-समर्थक पहलों के माध्यम से राज्य को ऊर्जावान रूप से बदल रहे हैं।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे एक बार फिर बंद हुआ

जम्मू ,01 फरवरी 2023(ए)। एक दिन पहले थोड़े समय के लिए खुलने के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बनिहाल में पत्थर गिरने के कारण बुधवार को फिर से वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी है। जम्मू-कश्मीर ट्रैफिक पुलिस ने एक ट्वीट में कहा, बनिहाल के रामपरी में लगातार पत्थर गिरने के कारण जम्मू-श्रीनगर एनएसडब्ल्यू बंद हो गया।

सरकार की महिलाओं,बुजुर्गों,करदाताओं को बड़ी सौगात

नई दिल्ली,01 फरवरी 2023 (ए)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को संसद में मोदी सरकार 2.0 का आखिरी पूर्ण बजट पेश किया। इस बजट के माध्यम से सरकार ने सभी तबकों को साधने की कोशिश की। इस दौरान सरकार ने मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को आयकर मोर्चे पर राहत तो लघु बचत योजनाओं के तहत निवेश सीमा बढ़ाकर बुजुर्गों और नई बचत योजना के जरिये महिलाओं को सौगात दी।

इसके साथ ही सरकार ने बुनियादी ढांचे पर खर्च में 33 फीसदी की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया। ऐसे में हम आपको बताएंगे कि बजट के पिटारे से किस सेक्टर को क्या-क्या मिला।

करदाताओं को सरकार की बड़ी सौगात

नई कर व्यवस्था के तहत एक अप्रैल से व्यक्तिगत आयकर छूट सीमा को बढ़ाकर सात लाख रुपये कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति की आय सात लाख रुपये है, उसे कोई कर नहीं देना होगा। अब तक यह सीमा पांच लाख रुपये है।

सरकार ने साथ ही कर स्लैब को सात से घटाकर पांच किया गया है। साथ ही अधिकतम अधिभार की दर 37 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत करने के बाद कर की दर 42.7 प्रतिशत से घटकर लगभग 39 प्रतिशत रह जाएगी।

बचत योजना की सीमा हुई दोगुनी

वित्त मंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को भी राहत दी। इसके तहत वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के तहत जमा सीमा 15 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दी गयी है। वहीं मासिक आय योजना के तहत जमा सीमा बढ़ाकर नौ लाख रुपये की गयी है।

वित्त मंत्री ने महिलाओं के लिये अलग से नई बचत योजना महिला सम्मान बचत पत्र की घोषणा की। इसमें दो वर्ष के लिये दो लाख रुपये तक की बचत पर 7.5 प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

चमकता सितारा है भारतीय अर्थव्यवस्था

बजट में वित्त वर्ष 2023-24 के लिये पूंजीगत व्यय लगातार तीसरी बार उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया गया है। इसे 33 प्रतिशत बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये किया गया है जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.3 प्रतिशत बैठता है। यह वित्त वर्ष 2019-20 के मुकाबले तीन गुना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता में आने के बाद से सड़कों और ऊर्जा सहित पूंजीगत व्यय में लगातार वृद्धि की है।

निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि इस बजट में पिछले बजट में रखी गई नींव पर सतत निर्माण करते हुए %भारत ञ100% के लिये खींची गई रेखा पर आगे बे ते रहने की उम्मीद की गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था %चमकता सितारा है। चालू वित्त वर्ष में सात प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का अनुमान है जो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है।

सीमा शुल्क में कटौती की घोषणा

निर्मला सीतारमण ने अपना पांचवां पूर्ण बजट ऐसे समय पेश किया जब वैश्विक चुनौतियों के कारण अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ रही है और सामाजिक क्षेत्रों पर खर्च बढ़ाने के साथ स्थानीय स्तर पर विनिर्माण को प्रोत्साहन बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने मोबाइल फोन कल-पुर्जों तथा हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिये लीथियम बैटरी और अन्य ऐसे सामान के लिये सीमा शुल्क में कटौती की भी घोषणा की। यह अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले सरकार का अंतिम पूर्ण बजट है। अगले साल फरवरी में अंतरिम बजट यानी लेखानुदान पेश किया जाएगा।

15.43 लाख करोड़ रुपये लेना पड़ेगा कर्ज

सीतारमण ने कहा कि कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक नरमी के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था पटरी पर है। बजट में कुल व्यय 7.4 प्रतिशत बढ़कर 45 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान रखा गया है। राजकोषीय घाटा जीडीपी का 5.9 प्रतिशत रहने का अनुमान रखा है। यह चालू वित्त वर्ष के 6.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। इसका मतलब है कि सरकार को कुल 15.43 लाख करोड़ रुपये कर्ज लेना पड़ेगा।

सप्तर्षि पर आधारित है बजट

सीतारमण ने कहा कि 2023-24 के बजट में सात प्राथमिकताएं रखी गयी हैं। ये हैं समावेशी विकास, अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना, बुनियादी ढांचा और निवेश, सक्षमता को सामने लाना, हरित वृद्धि, युवा शक्ति तथा वित्तीय क्षेत्र।

बजट में पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन पर जोर के साथ कृषि कर्ज का लक्ष्य बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये किया गया है। मझोले और छोटे उद्यमों के लिये कर्ज गारंटी को लेकर 9,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

रेलवे के लिये 2.40 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया गया है। यह अब तक का सबसे अधिक पूंजीगत व्यय है। साथ ही 2013-14 में किये गये व्यय के मुकाबले करीब नौ गुना अधिक है।

बुनियादी ढांचा और उत्पादक क्षमता में निवेश बढ़ाने का मकसद वृद्धि और रोजगार को गति देना है। छोटे और मझोले शहरों (टियर दो और टियर तीन) में ढांचागत सुविधाएं तैयार करने के लिये शहरी बुनियादी ढांचा विकास कोष (यूआईडीआईएफ) बनाया जाएगा।

सरकार ने बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली पर दिया जोर

बजट में ऊर्जा बदलाव यानी स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाने और शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिये 35,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव किया गया है। इसके तहत 4,000 मेगावॉट घंटा क्षमता की बैटरी भंडारण प्रणाली को व्यावहारिक बनाने के लिये वित्त उपलब्ध कराया जाएगा।

वित्त मंत्री ने बताया कि लद्दाख से 13,000 मेगावॉट बिजली के पारेषण के लिये व्यवस्था तैयार करने को लेकर 20,700 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। सस्ते मकान उपलब्ध कराने की प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत व्यय 66 प्रतिशत बढ़कर 79,000 करोड़ किया गया है।

हवाई अड्डों,हेलीपोर्ट और जलीय हवाईअड्डों का होगा पुनरुद्धार

बजट में बुनियादी ढांचे के तहत 50 अतिरिक्त हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट और जलीय हवाईअड्डों को आधुनिक रूप दिया जाएगा। शिक्षा के प्रचार-प्रसार के तहत राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय बनाया जाएगा। इसका मकसद सभी क्षेत्रों में सभी आयु वर्ग के लोगों के लिये गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें उपलब्ध कराना है।

मूडीज इनवेस्टर सर्विस ने बजट के बारे में कहा कि उच्च महंगाई और वैश्विक चुनौतियों के बीच वित्त वर्ष 2023-24 के लिये कम राजकोषीय घाटे का लक्ष्य सरकार की वित्तीय स्थिरता और अर्थव्यवस्था को समर्थन देने की प्रतिबद्धता को बताता है।

आम बजट गरीबों और मध्यम वर्ग के सभी लोगों के सपनों को पूरा करेगा : मोदी

नई दिल्ली,01 फरवरी 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देते हुए कहा कि देश के लिए यह ऐतिहासिक बजट साबित होगी । अमृतकाल का ये पहला बजट विकसित भारत के विराट संकल्प को पूरा करने के लिए एक मजबूत नींव का निर्माण करेगा। ये बजट वंचितों को वरीयता देता है। ये बजट आज की -गांव-गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, सभी के सपनों को पूरा करेगा।

25 साल का ब्लूप्रिंट है 2023-24 का बजट : अमित शाह

नई दिल्ली,01 फरवरी 2023(ए)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किए गए आम बजट को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बजट 2023-24 देश के लिए अगले 25 साल के विकास के ब्लू प्रिंट के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला।

देश के विकास के प्रति समर्थित दूरदर्शी बजट : जेपी नड्डा

नई दिल्ली,01 फरवरी 2023(ए)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश बजट को लेकर कहा कि अमृत काल का पहला आम बजट 2023-24 एक लोक-कल्याणकारी और देश के विकास के प्रति समर्पित दूरदर्शी बजट है।

16 फरवरी को होगा त्रिपुरा विधानसभा का मतदान

अगरतला ,01 फरवरी 2023 (ए)। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) और राज्य पुलिस सहित 43,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी त्रिपुरा में 16 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैनात किए जाएंगे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि गृह मंत्रालय (एमएचए) निष्पक्ष और हिंसा मुक्त विधानसभा चुनाव के लिए सीएपीएफ की 400 कंपनियां (30,000 सुरक्षाकर्मी) प्रदान करने पर सहमत हो गया है।

अधिकारी ने बताया कि सीएपीएफ के अलावा, असम राइफल्स, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, लगभग 8,000 टीएसआर जवानों और 5,000 से अधिक त्रिपुरा पुलिस कर्मियों को भी तैनात किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सीएपीएफ की 200 कंपनियां पहले ही त्रिपुरा आ चुकी हैं और राज्य के विभिन्न हिस्सों में तैनात की जा चुकी हैं, जबकि फरवरी के पहले सप्ताह तक सीएपीएफ की 200 और कंपनियां आ जाएंगी।

अधिकारी ने कहा कि सीएपीएफ को क्षेत्र में वर्चस्व, गश्त, फ्लैग मार्च, वाहन गश्त, नाका ड्यूटी, छापेमारी के अलावा उग्रवाद विरोधी अभियानों के लिए तैनात किया गया था।

अधिकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग द्वारा 18 जनवरी को विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद विभिन्न रणनीतिक

स्थानों पर कुल 192 नाका प्वाइंट (चेक गेट) स्थापित किए गए हैं।

अधिकारी ने कहा, सभी नाका बिंदुओं पर नाका जांच नियमित रूप से चल रही है। विशेष वाहन जांच भी चल रही है। वाहन जांच के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया और 11,000 से अधिक वाहनों की जांच की गई।

उन्होंने कहा कि राज्य में लोगों के बीच सुरक्षा की भावना को बनाए रखने के लिए राज्य पुलिस, टीएसआर और सीएपीएफ की संयुक्त भागीदारी से अब तक 1,700 से अधिक फ्लैग मार्च और एरिया डोमिनेशन पेट्रोलिंग की जा चुकी है।

एक वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), जो बांग्लादेश की सीमाओं पर तैनात हैं, न केवल अपनी निगरानी तेज करेंगे, बल्कि अपने समकक्षों बॉर्डर गार्डस बांग्लादेश के साथ भी संपर्क में रहेंगे, ताकि भारत में अवैध प्रवेश को रोका जा सके।

उन्होंने कहा, बीएसएफ त्रिपुरा में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए अधिक सतर्क दृष्टिकोण अपनाने के लिए उन्हें संवेदनशील बनाने के लिए अपने समकक्षों के साथ तुरंत बैठक बुलाएगा।

चुनाव आयोग के तीन विशेष पर्यवेक्षकों ने पांच दिनों के लिए त्रिपुरा का दौरा किया और 16 फरवरी की चुनाव तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

तीन विशेष पर्यवेक्षक कर्नाटक कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी योगेंद्र त्रिपाठी हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी और आईआरएस अधिकारी बी. मुरली कुमार, जो गुजरात (2022) और पश्चिम बंगाल (2021) के विधानसभा चुनावों में विशेष पर्यवेक्षक थे।

अधिकारी ने कहा कि पर्यवेक्षकों ने निर्देश दिया कि जहां भी संभव हो, मारिजुआना के बागानों और अन्य प्रवर्तन उपायों का पता लगाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

मौलाना को मिली जान से मारने की धमकी,विदेश से आया फोन

सुल्तानपुर ,01 फरवरी 2023(ए)। एक मौलाना को विदेश से किसी व्यक्ति ने जान से मारने की धमकी दिया है। जिससे डरे हुये मौलाना ने पुलिस की शरण लिया है। पीड़ित मौलाना ने पुलिस में शिकायत जान बचाने की गुहार लगाई है। मामला बल्दीराय थानाक्षेत्र के नटौली गांव का है। नटौली गांव निवासी मोहम्मद दिलशाद पुत्र अब्दुल रऊफ को मंगलवार को विदेश से अज्ञात नंबर से फोन आया। जिसने जान से मारने की धमकी देते हुये कहा पहले आपको सबको सब कुछ दिखाया जायेगा तब कुछ किया जायेगा। कुल मिलाकर ये जान लो आपकी उल्टी गिनती चालू हो गई है। पुलिस में जाओ कोर्ट जाओ कचेहरी जाओ कोई मेरा कुछ नहीं कर पाएगा। मैं 15 दिन से एक-एक मूवमेंट पर नजर रख रहा। तुम्हारे साथ दो-तीन लोग और जायेंगे। जब तुम्हारे बीवी बच्चे रोएंगे तब पता चलेगा हमारे साथ हुआ है बहुत बुरा उसके जिम्मेदार तुम हो। धमकी देने वाले ने ये भी कहा कि जितनी दुआ तावीज करना हो कर लो अपनी जिंदगी के लिये। इससे डर कर मौलाना ने पुलिस में तहरीर दिया।

धनबाद के आशीर्वाद टावर में आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई

रांची ,01 फरवरी 2023 (ए)। झारखंड के धनबाद जिले के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के शक्ति मंदिर की बगल में स्थित आशीर्वाद टावर में कल देर शाम आग लग गयी और जिसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई।

धनबाद के उपायुक्त संदीप सिंह ने आज बताया कि मृतकों में 10 महिला तीन बच्चे और एक पुरुष शामिल है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आग आशीर्वाद ट्विन टावर के पीछे वाले बी ब्लॉक में दूसरी मंजिल पर लगी थी। दमकल की गाड़ियां रात में ही आग पर काबू पाने की कोशिश में सफल रही।

सूत्रों ने बताया कि शादी के कार्यक्रम के लिए लोग अपार्टमेंट में थे तभी गैस सिलेंडर के फटने से आग लग गई। आग दूसरे तल्ले में चार्टर्ड एकाउंटेंट पंकज अग्रवाल के घर लगी, जो धीरे धीरे तीसरे तल्ले तक फैल गई और इसमें 14 लोगों की मौत हो गई।

इस बीच पीएमओ ने इस बात को लेकर दो ट्वीट किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि धनबाद में आग लगने से कई लोगों की मौत की सूचना मिली जिससे मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदना पीड़ित परिवार के साथ है।मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुआवजे का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि धनबाद अग्निकांड में प्रत्येक मृतक के परिजन को पीएमएनआरएफ की ओर से दो लाख रुपये दिये जाएंगे जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

मेघालय में कांग्रेस नेता तृणमूल में शामिल

दादेंग्रे ,01 फरवरी 2023 (ए)। मेघालय में आगामी विधानसभा चुनाव से अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के एक दिन बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ऑगस्टाइन डी. मारक विपक्षी तृणमूल कांग्रेस (तृकां) में शामिल हो गये।

ऑगस्टाइन विभिन्न राजनीतिक दलों के 200 समर्थकों के साथ तृणमूल उम्मीदवार रूपा एम मारक और दादेंग्रे ब्लॉक अध्यक्ष जेंगा जिलिंगा एम मारक की उपस्थिति में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

उन्होंने कहा, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य के आलोक में, यह सभी के लिए स्पष्ट है कि वर्तमान एनपीपी के नेतृत्व वाली सरकार को जाना चाहिए। सरकार के कामकाज से पूरे समाज के लोग नाराज हैं। इसी ने आज मुझे यह निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया, जैसा कि जीवन के सभी क्षेत्रों के अन्य लोग करते हैं।

मुर्मू ने शांति भूषण के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली ,01 फरवरी 2023 (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज पूर्व कानून मंत्री और वरिष्ठ अधिवक्ता शांति भूषण के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुर्मू ने ट्वीट किया, महान वकील और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री शांति भूषण जी के निधन से एक युग अंत हो गया है। वह हमेशा अपनी मान्यताओं के लिए खड़े रहे। उन्होंने न्यायशास्त्र के साथ-साथ राजनीति पर भी अपनी छाप छोड़ी हैं। उसके परिवार तथा मित्रों के लिए संवेदनाएं।

मोरारजी देसाई सरकार में कानून मंत्री रहे वरिष्ठ अधिवक्ता शान्ति भूषण (97) का मंगलवार को निधन हो गया था।

भूषण 1960 के दशक के आखिरी वर्षों में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कांग्रेस से निष्कासन के दौर में बने संगठन (कांग्रेस ओ) पार्टी के सदस्य थे। इस पार्टी का 1977 में जनता पार्टी में विलय हो गया। वह आपात काल के बाद 1977 में हुए चुनाव में जनता पार्टी की जीत के बाद बनी मोरारजी देसाई सरकार में कानून मंत्री बनाये गये थे। बाद में वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से भी जुड़ गये थे।

लोकपाल के लिए अन्ना हजारे के नेतृत्व वाले में भी उन्होंने सहयोग किया था। भूषण और उनके पुत्र प्रशांत भूषण 2012 में आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे, हालांकि दोनों ने जल्द ही पार्टी से किनारा कर लिया था।

संपादकीय

प्रभावशाली शुरुआत के बाद

अब चुनौती इसके आगे है। पहली गतिविधि के रूप में भारत जोड़ो यात्रा भावनात्मक सवालों पर प्रभावशाली साबित हुई। लेकिन अगली गतिविधियों में लोग उन ठोस प्रश्नों पर राहुल गांधी या कांग्रेस से वैकल्पिक मार्ग बताने की उम्मीद करेंगे, जिनसे उनकी जिंदगी मुहाल हो गई है।

राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा की समाप्ति के मौके पर कहा कि जो अभियान उन्होंने छेड़ा है, यह उसका अंत नहीं है। इसके आगे वे अपना अगला कदम लेकर आएंगे। उन्होंने उचित ही कहा कि जिस संघर्ष के क्रम में उन्होंने यह यात्रा की, वह सिर्फ एक शुरुआत है। बहुत से लोग उनसे सहमत होंगे कि उनकी यह शुरुआत इस बात को जताने में ठोस रूप से कामयाब रही कि भारतीय जनता पार्टी भारत को जैसी पहचान देने की कोशिश कर रही है, देश की जनसंख्या के बहुत बड़े हिस्से ने उसे स्वीकार नहीं किया है। वह हिस्सा भारत को उसी रूप में देखना चाहता है, जिसकी परिकल्पना स्वतंत्रता आंदोलन के दिनों में सामने आई थी। कन्याकुमारी से कश्मीर तक जिस तरह लोगों का जुड़ाव इस यात्रा से बना, उससे यह साफ संकेत मिला कि देश को जिस दिशा में ले जाया गया है, उससे भारतीय जनमत का बहुत बड़ा हिस्सा असंतुष्ट है। भारत जोड़ो यात्रा ऐसे तमाम लोगों के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक मौका बनी।

राहुल गांधी ने यह पद यात्रा शुरू करने से पहले इसके जो कारण बताए थे, उसे जनता का यह हिस्सा सही मानता है। राहुल गांधी ने यात्रा शुरू करने का कारण यह बताया था कि अब चूंकि पारंपरिक रूप से विपक्ष की भूमिका निभाने की स्थितियां नहीं बची हैं, इसलिए सीधे जनता के बीच जाने के अलावा कोई और चारा नहीं है। वर्तमान सरकार के तहत जिस तरह से संवैधानिक संस्थानों और मीडिया पर पूरा नियंत्रण कर लिया गया है, जिस तरह अब संसद तक में सरकार के लिए असहज बातों को कहने की अनुमति नहीं है, और जिस तरह चुनावों में अब सभी पक्षों के लिए समान धरातल नहीं बचा है, उसके बीच अब राजनीति करने का तरीका बदलना होगा। बदलाव का यही प्रयास ये यात्रा थी। लेकिन अब चुनौती इसके आगे है। पहली गतिविधि भावनात्मक सवालों पर प्रभावशाली साबित हुई।

एक किरण उम्मीद की

उन्मादों की थी बेदर्दी पीडा
जैसे हो मनु की इडा
सन्नाटा था जीवन में कहीं
आ गया सफर फिर वहीं
पहाडों की ऊँची चोटियों में
फंस गया चित्त लताओं सा
बिलखती सी आवाज सुनी
करता जिसे हर कोई अनसुनी
लगी वो मुझे कुछ अपनी सी
चंचलता के घेरे में फिर
दिखाई देने लगी अचानक
एक किरण उम्मीद की मुझे
वो आवाज घुटन थी एक
साँसों में उलझे कुछ स्वर
फूट पडे मुख विवर से अब
गमों के सागर से निकलकर
दिखने लगी अब फिर मुझे
एक किरण उम्मीद की ।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

नीतू कुमारी
कसेरू ,झुन्झुनू
राजस्थान

बसंत आया

ऋतुराज बसंत आया।
सारे जग को हर्षाया।।
ठंडी ठंडी हवा चली।
पीले रंग की धूप खिली।
दमक उठी सबकी काया,
ऋतुराज बसंत आया।
अलसी फूले सरसों फूले।
जिन पर भ्रमर दल झूले।
सेमल पलाश का मान बढ़ाया,
ऋतुराज बसंत आया।
महक उठी है अमराई।
कोयल ने दी सबको बधाई।
नभ धरा देख मुस्कुराया,
ऋतुराज बसंत आया।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

टीकेश्वर सिन्हा
गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
(छत्तीसगढ़)

भ्रष्टाचार की काट सख्त जवाबदेही

हर प्रशासकीय पद की सख़्त ज़वाबदेही
व्यवहारिक रूप से ज़रूरी है
कागजों में दर्ज ज़वाबदेही को
धरातल पर वास्तविक लाना ज़रूरी है
हर स्तर पर होगी अगर वास्तविक ज़वाबदेही
उस स्तर का पदासीन बच नहीं पाएगा
फ़ाइल उसके स्तर से आगे कैसे गई
ज़वाब के दायरे में लाना ज़रूरी है
मीडिया में हाई प्रोफ़ाइल केस हमने देखे
एक दूसरे स्तर का बचाव करते भी देखें
चोर चोर मौसेरा भाई कहावत भी देखें
समझते हैं नीचे से ऊपर आई कारगुज़री है-4
इसलिए सीएम ने कहा ज़वाबदेही
पर व्यवहारिक नहीं वास्तविक कार्यवाही
हर स्तर पर दोषी को किए का
वास्तविक दंड देना ज़रूरी है-4

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

किशन
सनमुखदास
भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

खाद्य प्रणाली विकसित करने में सक्षम डेयरी उद्योग

अमित
बैजनाथ
गर्ग
जयपुर,
राजस्थान,

भारत में डेयरी सहकारी समितियों का एक विशाल नेटवर्क है और पूरी दुनिया में ऐसा उदाहरण कहीं और नहीं मिल सकता है। ये डेयरी सहकारी समितियां देश के दो लाख से अधिक गांवों के करीब दो करोड़ किसानों से दिन में दो बार दूध एकत्र करती हैं और ग्राहकों तक पहुंचाती हैं। पूरी प्रक्रिया में कोई बिचौलिया नहीं है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की हालिया रिपोर्ट में कहा गया कि भारत उन देशों में शामिल है, जो छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों की क्षमता को बढ़ाकर अपनी खाद्य प्रणाली विकसित करने में सक्षम है। भारत में छोटे किसानों और डेयरी उद्यमों के दशकों के कार्यक्रम ने डेयरी को सबसे बड़ी कृषि वस्तु में बदलने में मदद की है, जो 2019 में ग्रामीण आय का लगभग एक तिहाई और कुल कैलोरी सेवन का 10 प्रतिशत है। यह बदलाव ग्रामीण स्तर की सहकारी समितियों, विस्तार सेवाओं और क्रेडिट के गठन का समर्थन करने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ। समय के साथ यह एक ऐसे घरेलू उद्योग की खेती करने के लिए विकसित हुआ, जिसमें किसान संबंधी सोर्सिंग मॉडल के साथ कई सफल तकनीक और एकीकृत उद्यम शामिल हैं।

डेयरी भारत में एकमात्र सबसे बड़ा कृषि उद्यम है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 5 प्रतिशत है और पोषण का एक महत्वपूर्ण आधार है। भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक है और इसके 70 प्रतिशत दूध का उत्पादन इसके 8 करोड़ छोटे किसानों द्वारा किया जाता है, जिनके पास 10 से कम पशु हैं। वहीं देश में शहरीकरण के चलते शहर के निवासी डेयरी पर अधिक खर्च कर रहे हैं और अधिक प्रसंस्कृत डेयरी उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं, जो अधिक मुनाफे वाले हैं। 2002 से 2021 के बीच क्षेत्र का मूल्यवर्धन दोगुना हो गया, 2020 में यह लगभग 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर दर्ज किया गया।

असल में भारत गांवों में बसता है। हमारी 72 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या ग्रामीण है तथा 60 प्रतिशत लोग कृषि व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। करीब सात से आठ करोड़ कृषक परिवार में प्रत्येक दो ग्रामीण घरों में से एक डेयरी उद्योग से जुड़े हैं। देश में 70 प्रतिशत दूध की आपूर्ति छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों से होती है। भारत में कृषि भूमि की अपेक्षा गायों का ज्यादा समानता पूर्वक वितरण है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में डेयरी उद्योग की प्रमुख भूमिका है। भारत विश्व में सबसे कम खर्च पर यानी 26 सेंट प्रति लीटर की दर से दूध का उत्पादन करता है (अमेरिका में 63 सेंट और जापान में 2.8)। मिनरल वाटर उद्योग की तरह दुग्ध प्रोसेसिंग उद्योग में भी बहुत तेजी से विकास होने की संभावनाएं हैं।

एक अनुमान के अनुसार, अगले 10 वर्षों में भारत तिगुनी वृद्धि के साथ विश्व में दुग्ध उत्पादों को तैयार करने वाला अग्रणी देश बन जाएगा। दुनिया में डेयरी क्षेत्र में विकास दर 2 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह दर 6 प्रतिशत है। आने वाले समय में भारत में इस क्षेत्र में विकास दर और बढ़ेगी। यही कारण है कि इस समय भारत दुनिया में दुग्ध उत्पादन में नंबर एक पर है। भारत में हर साल करीब 21 करोड़ टन दूध का उत्पादन होता है। दुनिया में दूध की उपलब्धता जहां प्रति व्यक्ति 310 ग्राम प्रतिदिन है, उसकी तुलना में भारत में यह 427 ग्राम प्रतिदिन है। बीते तीन दशकों में विश्व दुग्ध उत्पादन में करीब 59 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो 1988 में 530 मिलियन टन से बढ़कर साल 2018 तक 843 मिलियन टन हो गया। इसमें भारत का योगदान सबसे अधिक रहा है। भारत 22 प्रतिशत वैश्विक उत्पादन के साथ दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना।

साल 2014 के बाद से देशभर में दुग्ध उत्पादन में अत्यधिक तेजी आई है। दरअसल केंद्र सरकार देश में दुग्ध उत्पादन को लेकर कई योजनाएं व कार्यक्रम लेकर आई है, जिससे किसानों और गौपालकों को काफी लाभ मिला है। पिछले साल नोएडा में आयोजित वर्ल्ड डेयरी समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि देश में दूध का उत्पादन 2014 के 14.6 करोड़ टन से बढ़कर 21 करोड़ टन हो गया है, जो कि 44 फीसदी की वृद्धि है। मोदी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर 2 प्रतिशत उत्पादन वृद्धि की तुलना में भारत दूध उत्पादन में 6 प्रतिशत की वृद्धि देख रहा है। पिछले 5-6 वर्षों में कृषि और डेयरी क्षेत्र में 1,000 से अधिक स्टार्टअप बनाए गए। भारत डेयरी पशुओं का सबसे बड़ा डेटाबेस बना रहा है और डेयरी क्षेत्र से जुड़े हर पशु को टैग किया जा रहा है। पशु आधार योजना के तहत आधुनिक तकनीक की मदद से पशुओं की बायोमेट्रिक पहचान की जा रही है।

भारत में डेयरी सहकारी समितियों का एक विशाल नेटवर्क है और पूरी दुनिया में ऐसा उदाहरण कहीं और नहीं मिल सकता है। ये डेयरी सहकारी समितियां देश के दो लाख से अधिक गांवों के करीब दो करोड़ किसानों से दिन में दो बार दूध एकत्र करती हैं और ग्राहकों तक पहुंचाती हैं। पूरी प्रक्रिया में कोई बिचौलिया नहीं है और ग्राहकों से मिलने वाला 70 फीसदी से ज्यादा पैसा सीधे किसानों की जेब में जाता है। डेयरी क्षेत्र में भुगतान की डिजिटल प्रणाली की दक्षता है, जो दुनिया में किसी और देश में नहीं है। इससे अन्य देशों को कई सबक मिलते हैं। हमें डेयरी क्षेत्र पर अधिक ध्यान देते हुए तकनीकों का प्रयोग करना होगा और नई योजनाओं से किसानों तथा पशुपालकों का कल्याण करना होगा। इसी में देश का हित भी शामिल है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

दिल के तट पे

दिल के तट पे लहरें उठती यादों का तूफ़ान लिये।
मन दिवाना हो जाता है मिलने का अरमान लिये।
आहों की जब, हवा चले तो, ज़ख़्मों में हो और कसक,
दर्द तड़प के बह चलता है,अश्को की यूं जान लिये।
ग़म की बरसातों में अक्सर कांप उठे यूं कल्बो ज़िगर,
टूट टूट के ख़्वाब गिरे हैं टुकड़ों में यूं प्रान लिये।
झलक दिखा के, छुप जाते हो,जाने कौन डगर में तुम,
मन पंछी पीछे फिरता है जाने कौन उड़ान लिये।
कैसे कहदें पास नहीं तुम,धड़कन में हो बसे हुये,
पल पल रहते साथ मगर यूं ,एक नई पहचान लिये।
तनहाई के शोर में अक्सर, गूंज उठें अल्फ़ाज़ तेरे,
कभी कभी दिखलाई देते होठों पे मुस्कान लिये।
मचल उठे है दिल दिवाना, तुम्हें पकड़ने की ख़ातिर,
पर तुम हाथ नहीं आते हो जाने किसकी आन लिये।
चलते रहते ऐसे ही कितने मंज़र हैं कल्बो ज़िगर
हो गई हैं बेख़्वाब निगाहें घर अपना विरान लिये।
राह देखते उमर गई,स्वाती की पर तू न आया,
बूंद गिरीं सीपी में कितनीं अश्कों का अवसान लिये।

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

कहाँ है बात कलमों में

अगर इक शाम हो जाये, तेरी ज़ुल्फ़ों की छाहों में
बिता दूँ ज़िन्दगी पल में, मोहब्बत की पनाहों में
तेरी चाहत तेरी क़ुर्बत तेरी पलकों तले जन्नत
है किसको चाह जीने की के मर न जाऊँ आहों में
जिन्हें थी राह सब मालूम, जो रोशन रोशनाई से
कहाँ है बात कलमों में अब के सरबराहों में
जहान-ए- दिल में तुम ही तुम सजाए तख़्त बैठे हो
मिले चाहे शिकस्त सही हमें फिर बे-पनाहों में
झुकी नज़रें तो मानो यूँ के जैसे एहतराम हुए
मिलीं नज़रें तो गाये गीत कुछ दिल के निबाहों में

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

अंतर्मन

अंतर्मन में कुछ चुभता है,
तब गीत बनते हैं।
सब्र का प्याला छलकता है
तब गीत बनते हैं।
निन्दयारी पलेकों की,
मुंडेरों पे किसका बसेरा है,
अपना ही कोई सपना छलता है,
तब गीत बनते हैं।
दूर न जाओ रुठ के कि,
अभी अभिसार अधूरा है,
विरह में मन बावरा जलता है,
तब गीत बनते हैं।
यौवन की दहलीज़ पर,
बन कर हमसफर,
कोई जब साथ चलता है,
तब गीत बनते हैं।

ओमप्रकाश
बिन्जवे राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

गर्व

बरसों पहले मेरी माँ मुझे पूछा करती थी
कहीं बड़ा हो,तू मुझे छोड़ तो नहीं जाएगा?
उनको खबर नहीं थी एक दिन ऐसा आएगा
पिता का मान बढ़ाने बेटा भी फ़ौज जाएगा
जंग में वे शहीद हुए पिता का ये बलिदान
खाली न जा पाएगा भारत माँ की रक्षा का
बेटा भी फ़र्ज़ निभाएगा माँ तेरा
आशीष ही तो अब काम मेरे आएगा
जो छूटा है काम अधूरा
ये बेटा कर के आएगा देखना एक
दिन ये बेटा तेरा गर्व बन जाएगा

आशीष शर्मा
अमृत
जयपुर, राजस्थान

तुलसी कृत रामचरितमानस क्या ?

बिहार के शिक्षा मंत्री चन्द्रशेखर, हिन्दी के मूर्धन्य साहित्यकार एवं भाषा- मर्मज्ञ त्रिलोचन शास्त्री को, नहीं जानते होंगे । मंत्री जी काव्य के मर्म, शब्द- शक्तियों, अलंकार और भाषायी सौन्दर्य से भी अनभिज्ञ होंगे, यह हमारा दावा है । मंत्री जी 16वीं शताब्दी के परिवेश, कालखंड, रीति-रिवाजों, आडम्बरों और धार्मिक विरोधाभासों से भी अनजान होंगे । वह संस्कृत, अवधी भाषा और अन्य आंचलिक भाषाओं- बोलियों के आपसी द्वन्द्व से भी अपरिचित हैं, यह भी हमारा दावा है । मंत्री जी इस ऐतिहासिक तथ्य से भी वाकिफ नहीं होंगे कि तुलसीदास का जन्म पूरे 32 दांतों के साथ हुआ था, लिहाजा कई मायनों में उन्हें अद्वितीय, अलौकिक माना गया, तो उनके अपनों ने भूत-प्रेत मानकर उनसे दूरी बनाये रखी थी। बाद में उन्हें प्रायश्चित करना पड़ा । यह तो बिल्कुल नहीं जानते होंगे कि भगवान राम की कृपा और छाया तुलसीदास पर थी, जिसने उन्हें महाकवि, संत, कथावाचक बना दिया था । यह प्रभु राम की ही कृपा थी कि हनुमान जी सदैव उनके साथ रहे और मार्गदर्शक की भूमिका अदा करते रहे । बिहारी मंत्री का मानस अवरुद्ध है या नास्तिक है अथवा विकृत है । या वह राम-विरोधी हैं, लिहाजा वह इन तथ्यों को किंवदन्ति भी करार दे सकते हैं । हमें रामचरित मानस सरीखे महाकाव्य, पवित्र ग्रन्थ तथा पूजनीय आख्यान पर मंत्री जी का, सकारात्मक या नकारात्मक, किसी भी तरह का प्रमाण-पत्र नहीं चाहिए, क्योंकि किसी भी सूरत में सूर्य को दीपक नहीं दिखाया जा सकता । अंधकार कभी भी सूर्य को पराजित नहीं कर सकता । रामचरित मानस भारत ही नहीं, विश्व के असंख्य घरों में आस्था का प्रतीक है । उसका पाठ किया जाता है। वह प्रेम, त्याग, स्नेह, करुणा, मर्यादा, सद्भावना और मानवता का बेमिसाल ग्रंथ है। मंत्री जी ने रामचरित मानस को नफरती ग्रंथ माना है। ऐसी ही टिप्पणी उन्होंने कुरान या बाइबिल के सन्दर्भ में की होती, तो मंत्री जी का जीना हराम हो जाता ! उन्हें अज्ञातवास में जाना पड़ता या छिप कर अपनी जिंदगी बचानी पड़ती, उनका संवैधानिक पद तो छीन ही लिया जाता । लेकिन भगवान राम, उनके परम भक्त तुलसीदास और सिद्धांत रूप में हिन्दू सहिष्णु हैं, लिहाजा मनुस्मृति, रामचरित मानस, वाल्मीकि रामायण अथवा किसी अन्य धार्मिक, पवित्र ग्रन्थ को सहजता से गाली दी जा सकती है । चूंकि हम बिहारी मंत्री की साहित्यिक और भाषायी ज्ञान तथा मेधा को जानते हैं, लिहाजा सवाल कर सकते हैं कि उन्होंने रामचरित मानस के काव्यांशों की व्याख्या, भावार्थ, निहितार्थ किस आधार पर किया है ? मंत्री जी की व्याख्या है कि रामचरित मानस पिछड़ों, दलितों, महिलाओं को शिक्षा का अधिकार नहीं देता। मनुस्मृति के बाद ही मानस ने नफरत फैलाई है। मंत्री जी 16वीं सदी से एकदम 21वीं सदी में पहुंच कर कहते हैं कि नफरत की जमीन पर राम मन्दिर बनाया जा रहा है । यह सर्वोच्च अदालत की अवमानना भी है। मंत्री जी ने यह बयान किसी राजनीतिक सभा में नहीं दिये हैं, बल्कि बिहार के नालंदा ओपन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर कहे हैं । यदि बिहार के अ शिक्षित मंत्री ने तुलसीदास के ढोल, सूद, पसु, नारी वाली चौपाई पर त्रिलोचन जी सरीखे मूर्धन्य भाषाविद् की व्याख्या पढ़ी होती या मंत्री जी आलंकारिक भाषा सौन्दर्य को जानते अथवा अवधी भाषा की परख होती या 16वीं सदी के कालखंड की जानकारी होती अथवा पर्यायवाची शब्दों की व्यंजना शक्ति की जानकारी होती, तो वह बयान ही न देते और लालू के राजद के प्रवक्ताओं को उनका बचाव ही न करना पड़ता । दरअसल बिहारी मंत्री रामचरित मानस के जरिए अपने दल के चुनावी वोट बैंक को संबोधित करना चाहते थे, जो सरासर गलत है। सामाजिक न्याय इसे नहीं कहते कि किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करें । संविधान ने भी ऐसा अधिकार हमें नहीं दिया है। मंत्री के ये बोल वर्ग विशेष की भावनाओं को आहत कर रहे हैं ।

अजय दीक्षित

राहुल की यात्रा से कांग्रेस का भला नहीं!

कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा राहुल गांधी की भारत-जोड़ो यात्रा का आज समापन हो गया है। केरल से कश्मीर तक की यह यात्रा शंकराचार्य के अलावा भारत में अब तक राहुल के सिवाय शायद किसी और ने कभी नहीं की। यह यात्रा इस अर्थ में एतिहासिक है। लेकिन भारत कहां से टूट रहा है, जिसे जोड़ने के लिए राहुल ने यह बीड़ा उठाया है? इस यात्रा का नाम यदि 'कांग्रेस जोड़ो' होता तो कहीं बेहतर होता। कांग्रेस टूट ही नहीं रही है, वह दिवंगत होती जा रही है। भारत का विपक्ष अंकुशहीन होता जा रहा है।

राहुल ने श्रीनगर में जाकर कहा कि इस यात्रा ने देश के सामने शासन का वैकल्पिक नक्शा पेश किया है। यदि ऐसा होता तो चमत्कार हो जाता। वह तो बिना यात्रा किए हुए भी पेश किया जा सकता था। यात्रा के दौरान राहुल ने कई ऐसे बयान दे डाले, जो कांग्रेस की ही नीतियों के विरुद्ध थे। जैसे सावरकर की निंदा, जातीय जनगणना का समर्थन, कश्मीर की ज़मीन पर चीन का कब्जा आदि! इसमें मैं राहुल का कोई दोष नहीं मानता हूं।

यह दोष है, राहुल के आस-पास घिरे हुए खुशामदियों का! वे लकड़ी के गुड्डे में जैसी और जितनी चाबी भर देते हैं, वह भोला भंडारी वैसा ही नाच दिखा देता है। राहुल को एक मूल मंत्र किसी ने पकड़ा दिया। वह है- 'नफरत के बाजार में, मैं मुहब्बत की दुकान खोलने आया हूं।' सारे देश में मुहब्बत की दुकान खोलने से बेहतर होता कि वह अपने लिए ही मुहब्बत की कोई दुकान खोल लेता। शादी कर लेता। राहुल अपनी बहन प्रियंका वाड्रा से ही कुछ सीख लेता। जो खुद के लिए अब तक मुहब्बत की दुकान नहीं खोल सका, वह देश के लिए मुहब्बत की दुकान कैसे खोलेगा?

राहुल सुंदर है, स्वस्थ है, सदाचारी है। संपन्न और जाने-माने घर का युवक है। वह साधुओं और मौलानाओं का भेस बनाकर क्यों घूम रहा है? क्या वह मोदी की नकल कर रहा है? वह गांधी की नकल करता तो कहीं बेहतर होता! उसे फिरोजगांधी का वंशज नहीं, महात्मा गांधी का उत्तराधिकारी माना जाता! गांधी उपनाम को वह सार्थक कर देता। उसकी दादी इंदिराजी यदि अपने नाम के आगे गांधी उपनाम नहीं लगातीं तो भी उनका नाम काफी बड़ा हो गया था। इस भारत जोड़ों का लाभ कांग्रेस को कितना मिलेगा, इस पर कांग्रेसी नेताओं को ही बड़ा शक है लेकिन राहुल गांधी को इसका जबर्दस्त लाभ मिल रहा है। देश का हर नेता अपने प्रचार का मोहताज होता है। वे आत्म-प्रचार पर करोड़ों रु. खर्च कर डालते हैं लेकिन राहुल को एक कौड़ी भी खर्च नहीं करनी पड़ रही है। टीवी चैनलों और अखबारों में पिछले साढ़े चार महिने में राहुल और मोदी लगभग बराबर-बराबर दिखाई पड़ रहे हैं। राहुल का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि साढ़े चार महिने में उसका जनता से सीधा संपर्क हुआ है, जो 45 साल के राजमहलिया संपर्क से ज्यादा कीमती है।

वेद प्रताप वैदिक

अधेड़ावस्था : पचास की उम्र के बाद का जीवन

कुछ उम्र के खट्टे मीठे अनुभव की समझ तो कुछ अपने अच्छे कर्मों से संचित मान प्रतिष्ठा उस वक्त का तकाजा, तो कुछ अपनी समझदारी से संजोए निश्चिंतता। ऐसे ही तमाम पहलू है जो पचास की उम्र के बाद जीने का संबल बनते हैं और जीवन खुशहाल हो जाता है।

किसी भी व्यक्ति की उम्र के 5 दशक पूरे होने के बाद उसके जीवन में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं पचास साल की उम्र के बाद व्यक्ति की शारीरिक क्षमताएं निरंतर क्षीण होने लगती है। पचास वर्ष की उम्र में अधेड़ावस्था की शुरुआत होती है जहाँ से व्यक्ति के जीवन में कई तरह की कठिनाइयाँ जन्म लेने लगती है यह जीवन का वह मोड़ है जहाँ व्यक्ति को अब तक किए कार्यों प्रयत्नों और संघर्षों का प्रतिफल मिलना शुरू होता है। पचास साल की उम्र तक व्यक्ति की समाज में एक पहचान और प्रतिष्ठा बन जाती है। यदि आप चाहते हैं कि आपकी वृद्धावस्था स्वाभिमान और सम्मान के साथ बीते तो आपको अपनी उम्र के पचास वर्ष में दाखिल होने से पहले इसके लिए कुछ विशेष प्रबंध कर लेने चाहिए। अक्सर एक उम्र के बाद जब बेटा और बहू से आपकी अनबन होने लगती है और वह अलग घर बसाने की सोचने लगते हैं तो ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को बहुत ही दुख होता है जिन बेटों की पढ़ाई और शादी के लिए सारी जमा पूंजी खर्च कर देते हैं उन्हीं बेटो के द्वारा उन्हें जीवन की संध्या में अकेले और असहाय छोड़ जाते हैं। जो अपने यौवन काल में अपने लिए कोई अतिरिक्त धनराशि भी बचाकर नहीं रखते और रिटायर होने के बाद अपनी आजीविका के लिए एक छोटी सी दुकान खोलनी पड़ती है जिसमें कोई जमा राशि जमा करने का जरिया नहीं होता है यदि आप अपनी जवानी के दिनों में कुछ धनराशि अपने लिए सहेज कर रखेंगे तो आपको वृद्धावस्था में आने वाले किसी भी संकट का सामना करने की शक्ति मिलती रहेगी। यदि बुढ़ापे में आपके बच्चे धर्म का पालन और आप का खर्च उठाने में कतराने लगे तो आपकी जवानी में जमा की गई पूंजी ही आपका सहारा बनतीं है। यदि आप एक उम्र के बाद शांति और सुकून हो सम्मान के साथ जीना चाहते हैं तो अपने रोजगार के लिए अपनी रूचि और क्षमता के अनुसार एक निश्चित क्षेत्र का चयन तीस की उम्र तक कर ले, फिर पूरी मेहनत और लगन से उसमें काम करें तो आपको सफलता मिलनी तय है। आप अपने कैरियर को समय रहते व्यवस्थित कर ले ताकि पचास की उम्र के बाद आप आजीविका के लिए अनिश्चितता की स्थिति में ना रहे। पचास की उम्र व्यक्ति के लिए रोजगार के नए प्रयोग करने या नए काम धंधे सीखने

के लिए नहीं बल्कि अब तक के अनुभव का लाभ उठाने और समाज में प्रतिष्ठा का जीवन जीने के लिए होती है। आप कैसे कपड़े पहनते हैं? कैसे बोलते हैं? लोगों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं? इन सब बातों से समाज में आपके व्यक्तित्व की पहचान बनती है। पचास वर्ष में दाखिल होने से पूर्व आपको अपने व्यक्तित्व को अपनी सुविधा और पसंद के हिसाब से व्यवस्थित कर लेना चाहिए। यदि आप पचास की उम्र में ऐसा करते हैं तो ना केवल उपहास का पात्र बनेंगे बल्कि आप अपरिपक्वता का भी परिचय देंगे। कोई व्यक्ति यदि अपने जीवन की संध्या में अपने व्यक्तित्व को बदलने की चेष्टा करेगा तो यह बचकाना और हास्यास्पद ही लगेगा। अपनी क्षमता के अनुसार ही अपनी पसंद को निश्चित कर लेनी चाहिए अपनी आयु के छठवें दशक में प्रवेश करने के बाद आपको अपनी शक्ति और प्रतिभा को निखार लेना चाहिए। आप अपने संबंधों को मजबूत कीजिए जब तक आपका कारोबार अच्छा चलता रहेगा तब तक आप की पूछ होगी लेकिन यदि पचास की उम्र के बाद अगर सेवानिवृत्त होने के बाद आपकी बेटे, भाई और दूसरे सारे रिश्तेदार आपकी मदद करने के लिए आगे नहीं आए तो आप कहां जाएंगे? ऐसी अवांछित स्थिति का सामना करने के लिए आपको युवावस्था में ही कुछ ऐसे लोगों के साथ संबंध बनाकर रखने चाहिए जो आपका विश्वास करें, आपकी भलाई चाहे तथा जिनसे आप बुरे वक्त में आर्थिक सहायता की भी उम्मीद कर सके। संबंधों की यह पूंजी रातों रात में ही कमाए जा सकते हैं। आप अपने अच्छे व्यवहार प्रमाणित आचरण और सहयोगी स्वभाव के दम पर ऐसे अनेक लोगों के साथ अपने घनिष्ठ संबंध विकसित कर सकते हैं।

यदि आप शालीन है अपनी जुबान पर नियंत्रण रखते हैं तो आपको किसी भी क्षेत्र में सम्मान और सफलता मिल सकती है ज्यादा बोलने की आदत आपको ऐसे व्यक्ति के रूप में पहचान बनाती है जिसे लोग फिर कतराने लगते हैं। अपने व्यापारिक योजनाओं और उपलब्धियों का प्रचार मत कीजिए चुप रहना आपको एक गंभीर और बुद्धिमान व्यक्ति के रूप में प्रतिष्ठित करता है। व्यापारिक जीवन में रहस्य पचाने की प्रतिष्ठा अफवाह फैलाकर कमाई सस्ती लोकप्रियता से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण होती है उम्र की पचासवी सीढ़ी पर कदम रखने से पहले आपको यह सारी तैयारियां अवश्य कर लेनी चाहिए। पचास वर्षों से पहले असीम विश्वसनीयता आपको जीवन भर लोगों से आदर और सम्मान दिलाएगी। यदि आपने एक उम्र के बाद ईमानदारी विश्वसनीयता और वफादारी की साख नही बनाये है तो आगे चलकर आप समाज में अलग-थलग पड़ जाएंगे। इसलिए हर हाल में अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अपने भावी जीवन की तमाम खुशियों का आधार बिंदु तय कीजिए

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर
उत्तर प्रदेश

यात्रा का दौर

कश्मीर से कन्याकुमारी पैदल? या अ क ल से।जनता को दुखी करने का प्रयास या खुद तंग होने के प्रयास? सिर्फ टीशर्ट में ठंडी से नहीं डरने का दावा करना क्या ठंड से ही डर था या कोई ओर?कुछ तो हैं जो डरा रहा हैं।जो जुड़ा हुआ है उसे कैसे जोड़ा जायेगा कुछ समझ नहीं आया।कश्मीर जो अब पूरी तरह से जुड़ ने की प्रक्रिया में व्यस्त हैं उसे आंदोलित करना क्या जरूरी हैं?लीटर और किलो का भेद न जाने जो क्या जोड़ेगा वह देश को एक जुट में?खूब बदजुबान का मालिक और कुछ करें या नहीं बाकी बोलने में पीछे नहीं रहता।चाहे सही हो या गलत,व्याकरण तो कोसों दूर रहता हैं लेकिन मतलब भी अनुमानों से समझ आते है।ऐसे भाषण या पत्रकार को साक्षात्कार देते हुए भी कोई गंभीरता नहीं हो वह एक परिपक्व नेता की निशानी हैं।कई विसंगत बातें सुनी जाती हैं जिसमे किसानों को उनकी पैदाश की कमी हो तो फैक्ट्री लगाने के सुझाव हो या संसद में आंख मारके मोदीजी के गले लगाने का नाटक हो,मोदी जी को आंख में आंख डाल कर बात नहीं कर पाने का दावा हो,सब बचकाना और अपरिपक्वता की निशानी है जो राजकरण में या सरकार में कोई भी जिम्मेवारी के लिए अयोग्य सिद्ध करता है।कोई भी राजकीय कार्य में जिम्मेवार पद पर कभी कार्यान्वित नहीं रहते हुए भी सर्वोच्च पद की कामना करना एक प्रकार से स्वप्न ही होता है।दस सालों तक जिनकी सत्ता रही उस वक्त कोई प्रधान की कुर्सी संभाल कर अनुभव प्राप्त कर लिया होता तो शायद कुछ योग्यता प्राप्त हो गई होती,किंतु इन लोगों को तो बिना पद के सत्ता प्राप्ति कर जोहुकामी चलाने की आदत या कुटेव पड़ी हुई है ये तो कुछ सालों का इतिहास बताता हैं।और अब ये पैदल यात्रा जिसमें जनेऊ पहने नंगे बदन छोटे से लड़के का प्रयोग कर यात्रा को प्रमोट करने की रीत कितनी क्रूर है? उनको ठंड नहीं। लगती किंतु उस बालक को तो जरूर न्यूमोनिया हो गया होगा। नये नये नुस्खे आजमा के यात्रा को सफल बताने की ये रीत कितनी सफल होगी ये तो समय ही बताएगा।

एक बात बहुत महत्व की हैं,उनका दावा है कि यात्रा से उनकी छवि बदल जानें से राजकरण में उनकी पूछ बढ़ेगी और उसका प्रतिबिंब चुनावों के परिणाम में देखी जायेगी,उनकी ज्यादा सीटों पर विजय होगी।अगर नहीं हुई तो? ये यात्रा के बाद उनकी इच्छा और आशा के विरुद्ध परिणाम नहीं आएं तो अगली भारत यात्रा,कन्याकुमारी से कश्मीर साष्टांग दंडवत करते करते शुरू होगी जो चार महीनों में नहीं किंतु चार सालों। में भी खत्म नहीं होगी और उम्र 52 से 60 हो जायेगी और युवा नेता से प्रौढ़ नेता का तमगा लग जायेगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जयश्री बिरमी
अहमदाबाद
गुजरात

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

केन्द्रीय बजट को भाजपा ने सराहा तो कांग्रेस ने बताया केवल पूंजीपतियों को रखा गया है ख्याल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आम बजट पेश किया। बजट में टैक्स से लेकर महिलाओं और सीनियर सिटीजन, किसानों, युवाओं और छात्रों के लिए बड़े ऐलान किए गए हैं। यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट था. इसके अलावा किसानों, युवाओं और छात्रों के लिए बड़े ऐलान किए गए. निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह अमृतकाल का पहला बजट है. वित्त मंत्री ने कहा कि दुनिया ने भारतीय अर्थव्यवस्था को चमकता हुआ सितारा माना है। बजट के बाद लोगों, आर्थिक विशेषज्ञों ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। जिले के आम नागरिकों ने भी अपनी अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी। कईयों ने बजट को देश हित में बताया तो कईयों ने महंगाई का राग अलापा। वहीं चार्टड अकाउंटेंट्स ने भी बजट को समावेशी एवं प्रगतिशील बताया। भाजपाइयों ने भी बजट की सराहना करते हुए इसे सभी वर्गों का आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने वाला मजबूत बजट बताया। वहीं कांग्रेस नेताओं ने आम बजट को पूरी तरह से जनविरोधी व सिर्फ औपचारिक करार देते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने बताया कि केन्द्र सरकार ने चहुमुखी विकास की तस्वीर प्रस्तुत करता बजट निरुपित किया है। बजट में किसान, मजदूर सहित सभी वर्गों के लिए ध्यान रखा गया है। इनकम टैक्स में छूट बढाकर सीधे 7 लाख रूपए करके टैक्स पेयर को राहत देने की कोशिश की है। वहीं महिलाओ को 2 लाख रूपए तक के एफडी में सबसे ज्यादा 7.50 प्रतिशत ब्याज देकर तथा वरिष्ठ नागरिकों को एफडी में टैक्स छुट 4 लाख से बढ़ाकर सीधे 9 लाख करके क्रांतिकारी कदम उठाया गया है।

प्रदेश मंत्री कैट शुभम अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने बजट में सभी का ख्याल रखा है। 7 लाख तक की आमदनी पर आयकर में छूट से मध्यम वर्ग को काफी राहत मिलेगी। युवाओं के लिए पीएम कौशल विकास योजना, महिलाओं के लिए महिला सम्मान बचत योजना सहित सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है। बज़ट में जहां 2.40 लाख करोड़ रेल्वे के विकास के लिए दिया गया है। वहीं स्वास्थ्य सुविधाओं की चिंता करते हुए 157 नये मेडिकल कॉलेजों के साथ साथ 157 नये नर्सिंग कॉलेज भी खोलने की घोषणा की है।

भाजपा से अखिलेश सोनी ने बताया कि बजट सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास के नारे का अप्रतिम उदाहरण है। इस बजट में गरीब, मध्यम वर्ग, स्टार्टअप्स, बुजुर्ग, महिला, जनजाति समेत हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। यह बजट ऐतिहासिक और सर्व समावेशी बजट मध्यवर्गीय लोगों के उम्मीदों को पूरा करने वाला बजट है। आयकर का टैक्सेबल स्लैब को बढ़ाकर सरकार ने मध्यवर्ग के लोगों के लिए बड़ा काम किया है जिससे उनकी आय में बचत होगी एवं

उस बचत के निवेश करने से आर्थिक प्रगति होगी। विकास की हर संभावनाएं एवं रोजगार सृजन इस बजट का मुख्य उद्देश्य है। युवाओं ,महिला ,किसान , जदूर,कलाकार,खिलाड़ी इन सभी वर्गों की चिंता एवं इनके विकास के लिए हर प्रयास इस बजट में किये गए हैं।

ऋषभ गर्ग, जिला प्रवक्ता एनएसयूआई सरगुजा ने बताया कि अमृतकाल के इस बजट में, किसी भी प्रकार की अमृत योजना नहीं। बजट में रोजगार व कारोबारी हितों की अनदेखी की गई है। स्वास्थ के क्षेत्र और किसानों की आय बढ़ाने को लेकर बजट मौन है। शिक्षा और मनरेगा का बजट घटा दिया गया, छोटे उद्योग के लिए कोई मेगा स्कीम नहीं, ढांचागत सुधार के लिए कोई ठोस योजना का जिक्र नहीं, आयुष्मान भारत का दायरा नहीं बढ़ा, जनहित के आशाओं के विपरीत रहा ये बजट।

केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री ने कहा है कि, +सुशासन राष्ट्र की प्रगति का मूलमंत्र है। हमारी सरकार ऐसी पारदर्शी और जवाब देह प्रशासन की व्यवस्था करने के लिए प्रतिबद्ध है जो आम नागरिक की वेहतरी और कल्याण के लिए कार्य करे इन्हीं भावनाओं के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट प्रस्ताव हमारी सरकार ने रखा है बजट में समावेशी विकास, अंतिम व्यक्ति का विकास, अवसंरचना एवं निवेश, सक्षमता को बढ़ावा, हरित विकास, युवा शक्ति तथा वित्तीय क्षेत्र को प्राथमिकता दी गयी है।इस बजट में जनजातीय समूह के लिए विषेश ध्यान रखा गया है। जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए विकास मिशन शुरू किया जाएगा, ताकि पीबीटीजी बस्तियों को मूलभूत सुविधाओं से परिपूर्ण किया जा सके. अगले 3 वर्षों में योजना को लागू करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे. एकलव्य आवासीय विद्यालय के लिए 38 हजार 800 षिक्षकों की भर्ती, साक्षरता को बढावा देने एनजीओ को विषेश मदद, पीवीटीजी विकास मिषन की षुरुआत एवं जनजातीय के लिए विषेश स्कूल की शुरुआत करने का हम स्वागत करते हैं। पीएम आवास योजना की राषि बढ़ाकर 79,000 करोड़ रुपये किया जा रहा है। बजट 2022-23 में पीएम आवास के लिए 48,000 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव किया था। जिसे बढाकर 79 हजार करोड किया गया है। रेलवे के लिए 2.40 लाख करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं जो रेलवे के लिए अब तक का सबसे ज्यादा बजट आवंटन है। ये साल 2014 में दिए गए बजटीय आवंटन से 9 गुना ज्यादा है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने बताया कि यह बजट केवल उद्योग व पूजिपतियों को लाभ पहुंचाने वाली बजट है। पुराने टैक्स स्कीम में जो लोग जुड़े हैं, वो व्यापारी वेतन भोगी लोग नए टैक्स रिजीम में आते भी हैं तो उन्हें ज्यादा लाभ मिलने वाला नहीं है। दूसरा जो ये बजट बना है, इसमें 34 प्रतिशत राशि यह लोन के माध्यम से लेंगे, उसका 20 प्रतिशत केवल ब्याज चुकाने में चला जाएगा।मौजूदा बजट देश के पूंजिपति एवं उच्च आयवर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। नौकरीपेशा व्यक्ति, आम व्यवसायी के लिये बजट में कुछ भी नहीं है। मनरेगा पर बजट में कुछ भी नहीं कहा गया है। किसानो एवं मजदूरों के लिये वर्ष 2022 के जो लक्ष्य निर्धारित किये गये थे, उनपर कुछ नहीं कहा गया है। कुलमिलाकर बजट अगामी चुनावों को ध्यान में रखकर आमलोगों को भरमाने की दृष्टी से तैयार किया गया है।

विनोद हर्ष ने बताया कि जन भावनाओं का सम्मान कर नागरिकों व राष्ट्रहित में फैसले लेने वाली मोदी सरकार द्वारा आने वाले वक्त में भारत को सिरमौर बनाने वाला बजट पेश किया है 3 वर्षों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती से जोडने का निर्णय प्रकृति के संरक्षण एवं नागरिकों के पोषण को सुनिश्चित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास में पिछले वर्ष की अपेक्षा 66त्न आवंटन बढ़ाकर 48000 करोड से 79000 करोड करके गरीबों की चिंता की है रोजगार की दृष्टि से आवासीय एकलव्य मॉडल विद्यालय के लिए 38000 शैक्षणिक एवं सहायक स्टाफ की भर्ती की घोषणा जनजातीय समाज की प्रतिभाओं को निखारने में क्रांतिकारी कदम होगा ! मध्यमवर्ग को मिली छूट सीमा में वृद्धि और नई कर व्यवस्था में बदलाव से लोगों के हाथ में अधिक पैसा बचेगा

राज्य श्रम मंडल के अध्यक्ष शफी अहमद ने बताया कि केन्द्र सरकार का यह बजट गरीब, किसान, मजदूर विरोधी है। छत्तीसगढ़ व सरगुजा के हित में बजट में कोई स्थान नहीं दिया गया है। अगले वर्ष लोकसभा की चुनाव है इस लिए लोगों को इस बजट में विशेष उम्मीद थी पर लोगों को निराशा हाथ लगा। किसानों व बेरोजगारों के लिए भी बजट में कोई विशष ध्यान नहीं दिया गया है। यह बजट केवल उद्योग व पूजिपतियों को लाभ पहुंचाने वाली बजट है।

महाराणा प्रताप की 426वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

अंबिकापुर,01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

महाराणा प्रताप की 426 वीं पुण्यतिथि हिंदी पंचांग अनुसार मंगलवार को क्षत्रिय समाज द्वारा महाराणा प्रताप चौक पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। महाराणा प्रताप को नमन किया गया इस दौरान समाज के लाल शशि भूषण सिंहदेव प्रदेशाध्यक्ष, सोमनाथ सिंह जिलाध्यक्ष, अनजान सिंह, सत्येंद्र सिंह, पंकज सिंह, अजय सिंह, मंटू सिंह, दिवेश सिंह, सौरभ सिंह चौहान, आदित्य सिंह गौतम, गजेंद्र सिंह, सुमित सिंह राणा, राकेश सिंह, सुधांशु सिंह, विशाल सिंह सहित अन्य लोग शामिल थे।

साईं बाबा कॉलेज ने केआर टेक्निकल कॉलेज को 63 रनों से हराया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

इंटर कॉलेज स्व. एमएस सिंह देव क्रिकेट प्रतियोगिता 2022-23 का पहला मैच साईं बाबा कॉलेज व अंबिकापुर टेक्निकल कॉलेज अंबिकापुर के विरुद्ध खेला गया। साईं बाबा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और बल्लेबाजी करते हुए केयर टेक्निकल कॉलेज को 161 रन का टारगेट 20 ओवरों में दिया। 161 रन का पीछा करते हुए केआर टेक्निकल कॉलेज की टीम ने 18.3 बॉल खेलते हुए 97 रन पर ऑल आउट हो गई और साईं बाबा ने यह मैच 63 रनों से जीता, इस मैच के मैन ऑफ द मैच रविकांत रहे जिन्होंने 40 बोलों पर 62 रन का सहयोग दिया, इस पारी में उन्होंने 3 चौके और 3 छक्के लगाते हुए टीम को बहुत ही मजबूत स्थिति पर लाकर खड़ा कर दिया।

आज मैच के अतिथि शैलेश सिंह (चलता बाबा) सरगुजा जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष सोमेन्द्र प्रताप सिंह, संघ सचिव विनित विशाल जायसवाल, कोषाध्यक्ष शैलेश सिंह, विकास शर्मा,, जीवन यादव, ज्ञानेश्वर सिंह,शौभिक दासगुप्ता, अरूण सिंह, जय प्रकाश नारायण राय, कमल किशोर निकुंज, पवनीत सिंह गील,, रविशंकर भगत, रविन्द्र सिंह, इशहाक तिर्की, विशेष दुबे एवं अन्य क्रिकेट खेल प्रेमी शामिल रहे।

कस्तूरबा आश्रम में हिम्मत कार्यक्रम का पुलिस अधीक्षक ने किया शुभारंभ

» आश्रम के 200 बच्चों को एक माह तक दिया जाएगा प्रशिक्षण

- संवाददाता -
लखनपुर, 01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रजपुरीकला स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में 1 फरवरी दिन बुधवार को सरगुजा पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हिम्मत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सरगुजा पुलिस के ताइक्वांडो क्लब के बच्चों के द्वारा आश्रम के 200 बच्चों को 1 माह तक प्रशिक्षण दिया जाएगा आत्मरक्षा प्रशिक्षण से बच्चो में आत्मविश्वास की वृद्धि होगी तथा विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की रक्षा करने में सक्षम बनेंगे। साथ ही हमर बेटी हमर मान कार्यक्रम में राज्य शासन के योजनाओं तथा

अभिव्यक्ति एप्लीकेशन के तमाम जानकारियां दी जाएंगी। 1 माह तक आश्रम में प्रशिक्षण निरंतर रूप से संचालित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में आयोजित राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में सरगुजा पुलिस ताइक्वांडो क्लब के बच्चों के द्वारा बेहतर प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरय तथा राष्ट्रीय स्तर पर स्थान प्राप्त किया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के प्रतिभाओं को निखारने के कार्य के साथ सरगुजा पुलिस का समर्थन दिया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अखिलेश कौशिक जिला पंचायत सदस्य अर्पिता सिंहदेव युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह देव आश्रम अधिक्षिका अनुराधा सिंह, थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी डॉ प्रशांत देवांगन, सहायक उपनिरीक्षक डेविड मिंज, पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी गण मौजूद रहे।

सरगुजा में क्षय रोग की संख्या में बढोत्तरी, पाए गए 1642 मरीज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय क्षय उन्मुलन कार्यक्रम जिला सरगुजा से प्राप्त आकड़ो के अनुसार विगत वर्ष के तुलना में क्षय रोगियों की संख्या में बढोत्तरी दर्ज की गई है। पूर्व वर्ष में क्षय रोगियों की संख्या 1120 दर्ज की गई थी जिसकी तुलना में इस वर्ष 1642 दर्ज की गई है। क्षय रोग की भयावह तस्वीर इस बात से लगाया जा सकता है कि यह शरीर के प्रत्येक भाग में अपना दुष्प्रभाव पैदा कर रहा है। क्षय रोग के लिए पहले जहां खांसी होना जरुरी समझा जाता था वही आज प्राप्त आकडों के अनुसार पैर, आंख, हड्डी एवं जनन अंगों के भी टीबी मरीज सामने आ रहे हैं। विगत 1 वर्ष में क्षय रोग 48 मरीज की आकाल मृत्यु हुई है। बार-बार बुखार आना, वजन का कम होना, शरीर में दर्द का बना रहना, पेट दर्द का होना नपुंसकता का कारण क्षय रोग, टीबी पाई जा रही है। क्षय रोग से ग्रसित 30 मरीजों सीटी स्केन कराए जाने पर आधे से ज्यादा फेफड़ा गला पाया गया। 34 मरीजों में क्षय रोग के क्षय रोग के कीटाणु में दवाई की प्रतिरोधक क्षमता पाई गई है, अर्थात ऐसे मरीज समान्य क्षय रोग की दवाई से ठीक नहीं हो सकते है। उक्त जानकारी क्षय रोग जिला प्रभारी डॉ. शैलेंद्र गुप्ता ने दी है।

जांच के लिए प्रत्येक ब्लाम में टूनॉट मशीन

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के विशेष पहल पर सरगुजा जिले के सभी ब्लाक मुख्यालय अम्बिकापुर, लखनपुर, उदयपुर, लुन्ड्रा, बतौली, सीतापुर एवं मैनपाट में टूनॉट मशीन जांच के लिए लगाई गई है। जिसमें क्षय रोग के कीटाणु की सुक्ष्तम कणों की जांच एवं उसमें प्रयुक्त दवाई की कारगरता का पता लगाया जा सकता है। क्षय रोग के आदिवासी वर्ग में मरीज का शासन स्तर से दस हजार की राशि अतिरिक्त पोषण आहार हेतु उपलब्ध कराई गई एवं अन्य सभी वर्गों हेतु पांच प्रतिमाह की दर से पोषण हेतु राशि डीबीटी में माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है।

गुस्से में श्रद्धालू... जब धाम में बिराजे उनके आराध्य मूर्तियो को इधर-उधर फेंक दिया गया

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

जिले कें खोपा स्थित धाम में आज सुबह उस समय लोग गुस्से में आ गए जब धाम में बिराजे उनके आराध्य मूर्तियो को इधर उधर फेंक दिया गया था।यह हरकत एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक के द्वारा करना बताया गया है।हालांकि बाद में बैगाओं ने मूर्तियों की विधिवत पूजा अर्चना कर पुनः स्थापित कर दिया गया है जिससे माहौल शांत हो गया है। खोपा,भैयाथान ब्लॉक का वह गांव है जो लोगो की बड़ी आस्था का केंद्र है और यहां प्रतिदिन बड़ी

संख्या में श्रद्धालु अपनी आस्था लेकर पहुँचते है।यहां असुरो के पूजा का प्रावधान है और ऐसी मान्यता है कि यहां बकरे की बलि देने से मन्नते पूरी होती है।जिससे प्रतिदिन लोग यहां पहुँचते है।नदी किनारे खुले में पूजा के लिए कतिपय मूर्ति स्थापित है। इस आस्था के केंद्र में बीती रात एक युवक जो मानसिक रूप से बीमार है ने मूर्तियों को इधर उधर फेंक दिया इसकी जानकारी बैगाओं को सुबह उस समय लगी जब वे नियमित पूजा के लिए पहुँचे।इधर इस घटना की जानकारी गांव वालों को लगते ही वे भी मौके पर पहुँचने लगे और

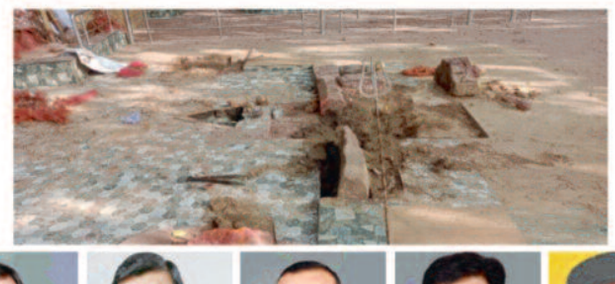

इस कृत्य पर नाराजगी जाहिर करने लगे।सरपंच ने इसकी सूचना पुलिस को दी जिस पर करंजी पुलिस मौके पर पहुच कर स्थिति को सामान्य किया और आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है जिसे पहले से ही ग्रामीणों ने दबोच रखा था। आरोपी युवक गंगोटी का बताया गया है।इधर मामले की गम्भीरता और तनाव की स्थिति को देखते हुए प्रशासनिक अमला भी सक्रिय हो गया।जिससे तहसीलदार अमित केरकेट्टा,जनपद सीईओ वेदप्रकाश साहू व बड़ी संख्या में पूरे दिन मौके पर डटे रहे।दूसरी ओर बैगाओं ने पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर मूर्तियों को पुनः स्थापित कर माहौल को शांत कर लिया है।

कलेक्टर ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

» भर्ती मरीजों की जानकारी लेकर बेहतर ईलाज हेतु निर्देश दिए

- संवाददाता -
सूरजपुर, 01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा ने आज जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने जिला चिकित्सालय में प्रदाय की जा रही सुविधाओं, जिला चिकित्सालय में हो रहे पुताई कार्य एवं अन्य निर्माण हो रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में प्रस्तावित 100 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर ब्लॉक के स्थल का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड में भर्ती मरीजों, वार्ड संबंधित जानकारी ली तथा सभी मरीजों को बेहतर ईलाज हेतु निर्देशित किया एवं चिकित्सालय परिसर में साफ-सफाई करने हेतु निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रवि सिंह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा आर एस सिंह , अनुविभागीय अधिकारी, छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक,डा आर के त्रिपाठी तहसीलदार संजय राठौर सूरजपुर, आवासीय चिकित्सा अधिकारी, डा वी भी टोप्पो अस्पताल सलाहकार निलेश गुप्ता जिला चिकित्सालय सूरजपुर सहित अन्य चिकित्सक एवं स्टाफ उपस्थित।

CMYK

केंद्रीय आम बजट को भाजपा ने सराहा तो कांग्रेसियों ने गरीब विरोधी बताया

गुलाब कमरों
विधायक भरतपुर सोनहत

भईयालाल राजवाड़े
पूर्व कैबिनेट मंत्री भाजपा

नजीर अजहर
जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी

श्याम बिहारी जायसवाल पूर्व
विधायक मनेन्द्रगढ़ भाजपा

वेदांती तिवारी कोरिया जिला
पंचायत उपाध्यक्ष

कृष्ण बिहारी जयसवाल
जिला अध्यक्ष भाजपा

योगेश शुक्ला
पीसीसी सदस्य कांग्रेस

शैलेश शिवहरे
जिला उपाध्यक्ष भाजपा

योगेंद्र मिश्रा
श्रमिक नेता एसईसीएल

संदीप दुबे
भाजपा मंडल उपाध्यक्ष पटना

- 2023 के बजट को राहत भरा बजट माना जा रहा है
- बजट में सबसे बड़ी राहत वाला विषय रहा इनकम टैक्स स्लैब, 7 लाख तक नहीं लगेगा कोई टैक्स
- इलेक्ट्रिक वाहन ऑटोमोबाइल खिलौने और देसी मोबाइल होंगे सस्ते
- महिला और वरिष्ठ नागरिकों के लिए इस बजट में बड़ी राहत है

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का आम बजट पेश किया जिस बजट को लेकर सब की अलग-अलग राय है जहां भाजपा ने इस बजट को काफी अच्छा बजट बताया तो वही विपक्ष ने से गरीब विरोधी बजट बताया, वही नौकरी वालों से इस बजट के बारे में जानना चाहा तो इनकम टैक्स की राहत मिलने की वजह से उन्होंने इससे अच्छा बजट बताया कई पहलुओं पर यह बजट अच्छा माना जा रहा है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज देश का आम बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था चमकता सितारा है। उन्होंने बताया कि गरीब खाद्यान्न योजना 1 साल के लिए बढ़ाई गई है। वित्त मंत्री ने इस बीच बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि 7 लाख की आय तक अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। उन्होंने नए टैक्स स्लैब की भी घोषणा की। बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि पैन अब राष्ट्रीय पहचान पत्र के रूप में जाना जाएगा। बजट में घोषणा की गई कि इलेक्ट्रिक वाहन, ऑटोमोबाइल, खिलौने और देसी मोबाइल सस्ते होंगे। वहीं, चिमनी, कुछ मोबाइल फोन और कैमरे के लेंस, सिगरेट सोना, चांदी, प्लैटिनम महंगा होगा। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि 2014 से सरकार के प्रयासों ने सभी नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाया है। प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से अधिक बढ़कर 1.97 लाख रुपये हो गई है। इन 9 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था आकार में 10वें से 5वें स्थान पर पहुंच गई है। वित्त मंत्री ने घोषणा की कि युवा उद्यमियों द्वारा कृषि-स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि कोष बनाया जाएगा। वहीं, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मिशन मोड पर काम किया जाएगा। अगले साल लोक सभा चुनाव होने के चलते मोदी सरकार के लिए यह बजट काफी अहम माना जा रहा था। आम चुनाव से पहले मोदी सरकार का यह आखिरी पूर्ण बजट होने के चलते लोगों और कॉरपोरेट सेक्टर को भी इससे बड़ी उम्मीदें थीं।

बजट में बेरोजगार लोगों के लिए कोई प्रस्ताव नहीं

गुलाब कमरों विधायक भरतपुर सोनहत ने कहा यह गरीब विरोधी बजट है न कि भविष्य के लिए। यह पूर्ण अवसरवादी बजट है। बढ़ती महंगाई के बीच आयकर से छूट का क्या फायदा है? बजट में बेरोजगार लोगों के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है।

वृद्धि और विकास का विजन है यह बजट

भईयालाल राजवाड़े पूर्व कैबिनेट मंत्री भाजपा ने बजट को वृद्धि और विकास का विजन बताया। इस बजट से गांवों में लोग, महिलाएं, अमीर या गरीब, सभी को फायदा होने वाला है। इससे 130 करोड़ भारतीय सशक्त होंगे हैं। मैं इस तरह के प्रगतिशील बजट बनाने के लिए पीएम मोदी और एफएम निर्मला सीतारमण को धन्यवाद देता हूं।

मनरेगा, महंगाई का कोई जिक्र नहीं

नजीर अजहर जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी कोरिया ने कहा कि बजट में कुछ अच्छी चीजें हैं लेकिन मनरेगा, गरीब ग्रामीण श्रम, रोजगार और महंगाई का कोई जिक्र नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ बुनियादी सवालों के जवाब बजट में नहीं दिए गए।

यह वृद्धि और विकास का बजट है

श्याम बिहारी जायसवाल पूर्व विधायक मनेन्द्रगढ़ भाजपा ने कहा, यह वृद्धि और विकास का बजट है। उन्होंने कहा कि पिछले 2 वर्षों में, हमने कई कठिनाइयों का सामना किया है, लेकिन पीएम की दूरदर्शी नीतियों के कारण, हम हर क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों के पूर्व-कोविड स्तर पर वापस आ गए हैं।

केवल फैंसी घोषणाएं

वेदांती तिवारी कोरिया जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने कहा कि यह बजट देश की वास्तविक भावना को संबोधित नहीं कर रहा है जो कि महंगाई और बेरोजगारी है। इसमें केवल फैंसी घोषणाएं थीं। जो पहले भी की गई थीं, लेकिन कार्यान्वयन के बारे में क्या? पीएम किसान योजना से सिर्फ बीमा कंपनियों को फायदा हुआ किसानों को नहीं।

ये अमृत काल का बजट है

कृष्ण बिहारी जयसवाल जिला अध्यक्ष भाजपा ने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया बजट अमृत काल का एक बजट है। उन्होंने कहा कि बजट में 45 लाख करोड़ रुपये का खर्च है जिसमें से 13.3 लाख करोड़ रुपये का बुनियादी ढांचे पर निवेश होना यह दिखाता है कि भारत एक आधुनिक बुनियादी ढांचे के रूप में विकसित होने जा रहा है।

केवल आंखों में धूल झोंकने का बजट

योगेश शुक्ला पीसीसी सदस्य कांग्रेस ने कहा कि हमें नहीं लगता कि यह सरकार वेतन भोगी लोगों को कोई रियायत दे रही है मोदी सरकार केवल आंखों में धूल झोंकने का काम करती है और यही काम इस बजट में होगा।

सबको साथ लेकर चलने वाला बजट

शैलेश शिवहरे जिला उपाध्यक्ष भाजपा ने कहा कि यह देश की जनता के साथ विश्व की उम्मीदों को भी पूरा करने वाला बजट है। ये गरीबों का बजट है, नए भारत का संकल्प इस बजट में दिखाई देता है। भारत की अर्थव्यवस्था आज 5 वें नंबर की अर्थव्यवस्था बनी है। इस बजट में मध्यम वर्ग, जनजातीय वर्ग, रोजगार सृजन आदि की चिंता की गई है। यह बजट भारत के गरीब लोगों को समर्पित है। ये सबका साथ, सबका प्रयास, सबका विश्वास, सबको साथ लेकर चलने वाला बजट है।

आयकर छूट का दायरा बढ़ा,7 लाख तक कोई टैक्स नहीं

योगेंद्र मिश्रा श्रमिक नेता एसईसीएल बजट में नौकरीपेशा लोगों को बड़ी राहत दी गई है। 7 लाख की आय तक कोई टैक्स नहीं। आयकर छूट का दायरा बढ़ाया गया।

लोगों को सक्षम बनाने वाला बजट है

संदीप दुबे भाजपा मंडल उपध्यक्ष पटना ने कहा कि अमृत काल का पहला बजट लोक कल्याणकारी है, यह गरीब किसानों, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों, वंचितों, आर्थिक रूप से पिछड़े तथा मध्यम वर्ग को सशक्त और सक्षम बनाने वाला बजट है। यह बजट बच्चों की पढ़ाई, मध्यम वर्ग की कमाई और बुजुर्गों की भलाई पर बल देने वाला है।

नगर पुलिस अधीक्षक के उपस्थिति में स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार एवं स्वच्छ टॉवकाथान का आयोजन माता राजमोहिनी देवी भवन में किया गया

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

आज नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर द्वारा मा. महापौर डॉ. अजय तिर्की, पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता, आयुक्त, नगर निगम सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विष्वदीप , वनमंडलाधिकारी श्री पंकज कमल, श्री स्मृतिक राजनाला नगर पुलिस अधीक्षक के उपस्थिति में स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार एवं स्वच्छ टॉवकाथान का आयोजन माता राजमोहिनी देवी भवन में किया गया । इस कार्यक्रम नगर के 30 शासकीय एवं निजी विद्यालय के प्राचार्य/शिक्षक एवं छात्र/छात्राऐं प्रतिभाग किये ।

स्वच्छता दीदीयों द्वारा डोर टू डोर संग्रहण से प्राप्त कचरे को खिलौने/सजावटी सामग्री बनाने हेतु प्रतिभागियो को उपलब्ध कराया गया, कचरे से खिलौने बनाने के इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्रा, जनप्रतिनिधि गण एवं अधिकारीगण के उत्साहपुर्वक हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने बहुत सुन्दर, रोचक एवं स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश के साथ विभिन्न सामग्री बनाई । प्रतिभागियों ने खिलौने,घरेलु साज-सजावट के समान, सेना प्रशासन व स्वच्छता से जुडे माडल भी बनाकर प्रस्तुत किये ।

इस प्रतियोगिता में मा. महापौर, आयुक्त एवं पार्षद गणो ने भाग लेकर बच्चो के साथ कचरे से खिलौना एवं स्वच्छता संबंधी वाहन के माडल बनाये। उत्कृष्ट माडल बनाने वाले 10 छात्र-छात्रा एवं विद्यालय को सम्मानित किया गया।

तत्पश्चात स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा कर, स्वच्छतम विद्यालय के रुप में तीन विद्यालय स्वामी आत्मानंद विद्यालय ब्रम्हपारा, होली क्रास कान्वेन्ट सकूल एवं कार्मेल स्कूल अम्बिकापुर को श्री स्टार, चार विद्यालय शा. बहु. उ.मा. विद्यालय अ.पुर, शा. कन्या उ.मा. विद्यालय, ओरियेन्टल पब्लिक स्कूल, सनसाईज पब्लिक स्कूल अम्बिकापुर को टू स्टार तथा चार विद्यालय शा. नगर निगम उ.मा. विद्यालय, के.आर टेक्निकल कालेज, उर्सु लाईन उ.मा. विद्यालय, संत हरकेवल विद्या पीठ उ.मा. विद्यालय अम्बिकापुर को वन स्टार से पुरस्कृत किया गया, इस प्रतियोगिता में नगर के 30 विद्यालय ने भाग लिया था, सभी विद्यालय स्वच्छता के प्रति जागरुकता एवं सहभागिता प्रदर्शित करते हुये इस स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता में भाग लिया ।

नगर स्वच्छता में महत्वपूर्ण योगदान एवम उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 20 स्वच्छता दीदी एवम उनके एस एल आर एम केंद्र को भी सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र एवम यूनिफॉर्म प्रदान किया गया तथा 25 नग नवीन रिक्शा प्रदान किया गया।

इस अवसर पर एम.आई.सी सदस्य शैलेन्द्र सोनी, विनोद एक्का, पार्षदगण श्री आलोक दुबे, श्री हरमिन्दर सिंह टिन्नी, श्रीमती गीता प्रजापति, स्वच्छता दीदीयों सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारिगण उपस्थित रहे।

मनबसिया को मिला कच्चे मकान से छुटकारा,पीएम आवास बना जीने का सहारा

अम्बिकापुर,01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के प्रधानमंत्री आवास योजना से ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली आई है। प्रधानमंत्री आवास योजना से मनबसिया के पक्के आशियाने का सपना साकार हुआ है।

लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत चांदो की रहने वाली मनबसिया ने बताया कि हम लोग कृषि और मजदूरी करके जीवनयापन करते हैं। कृषि योग्य पर्याप्त भूमि नहीं होने के कारण हमारी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी और एक कमरे के कच्चे मकान में सपरिवार निवास करते थे। पूर्व में मेरा कच्चे के मकान में बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता था। आर्थिक अभाव के कारण पक्के मकान बनाना संभव नहीं था। शासन के योजनांतर्गत मुझे 2019-20 में प्रधानमंत्री आवास के तहत आवास स्वीकृत हुआ। हम सपरिवार पूरी लगन से पक्के मकान बनाने में लग गए। मेरे खाते में किश्तों में राशि प्राप्त होती गई जिससे मैंने अपना आवास निर्माण कार्य पूरा कराया। इसमें मुझे मनरेगा के तहत 95 दिवस का रोजगार भी प्राप्त हुआ। मुझे पक्के मकान की बहुत आवश्यकता थी जो प्रधानमंत्री आवास योजना से पूर्ण हुआ। पक्के मकान में रहने का मेरा सपना पीएम आवास से पूर्ण हुआ।

इसके साथ ही राशन कार्ड से मुझे प्रतिमाह निःशुल्क राशन मिल रहा है। इसके लिए मैं और मेरे परिवार के सदस्य सरकार के बहुत बहुत आभारी हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक संपन्न

- सभी विभाग प्रमुखों को लंबित कार्यो को शीघ्रता से पूर्ण कराने के दिए निर्देश
- कांसाबेल-पत्थलगांव राष्ट्रीय राजमार्ग में शीघ्रता से किया जा रहा है निर्माण कार्य

जशपुरनगर, 01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर डॉ रवि मित्तल ने विगत दिवस कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विभिन्न निर्माण विभागों की बैठक लेकर प्रगतिरत निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी निर्माणाधीन कार्यो को शीघ्रता से पूर्ण कराने हेतु सभी अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग जशपुर व पत्थलगांव, राष्ट्रीय राजमार्ग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, हाउसिंग बोर्ड सहित अन्य निर्माण विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जिले के सड़को की निर्माण स्थिति की समीक्षा करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य एवं कुनकुरी-लवाकेरा मार्ग, चराईडाड़ से बगीचा मार्ग सहित अन्य सभी मार्गो के निर्माण कार्य में तेजी से प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की सड़कों का निर्माण पूर्ण हो जाने से आमजनों को राहत मिलेगी। इस हेतु सभी इस कार्य में गंभीरता से ध्यान दे। बैठक में एसडीओ राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग जशपुर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है एवं शीघ्रता से कार्य किया जा रहा है। पत्थलगांव के बनगाँव कांसाबेल के लमडाड़ सहित अन्य स्थानों में पीक्यूसी कार्य प्रगति पर है। साथ ही लमडाड़, बंदरचुआं में पुल निर्माण कार्य भी प्रारंभ है। इस हेतु समांतर कार्य संचालित किया जा रहा है।

कलेक्टर ने एसडीओ एनएच को सड़क निर्माण में प्रगति लाने हेतु दैनिक कार्य प्रगति एवं आगामी 3 माह की विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को प्रारम्भ एवं निविदा स्तर के कार्यों में भी शीघ्रता से कार्यवाही पूर्ण करते हुए कार्य प्रारंभ कराने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग संभाग जशपुर व पत्थलगांव के अंतर्गत निर्माण किये जा रहे शासकीय भवन, स्कूल भवन, इंडोर स्टेडियम, सहित अन्य कार्यो की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए कार्य में गंभीरता से तेजी लाने एवं समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की शिक्षा व चिकित्सा विभाग उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस हेतु इन विभागों के लंबित अधोसंरचना एवं भवन निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए। इसी प्रकार कलेक्टर ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, हाउसिंग बोर्ड के प्रगतिशील निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने संबंधित विभागों के प्रगतिशील कार्य एवं लंबित कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने व अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले एजेंसियों पर सख्ती से कार्यवाही करने की बात कही। उन्होंने निर्माण कार्यों के गुणवत्ता पर किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी।

ग्राम रजगामार के सरपंच एवं सचिव द्वारा भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत के मामले में ग्रामीणों का लिया जाएगा बयान

- संवाददाता -
कोरबा,01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत कोरबा के अंतर्गत ग्राम पंचायत रजगामार के सरपंच एवं सचिव के द्वारा व्यापक भ्रष्टाचार की शिकायत के संबंध में ग्रामीणों का बयान लिया जाएगा। इस संबंध में 02 फरवरी को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत कार्यालय में ग्राम रजगामार के ग्रामीणों का अभिकथन-बयान दर्ज किया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा ने बताया कि ग्राम रजगामार के जो भी ग्रामवासी उक्त शिकायत के संबंध में अपना अभिकथन-बयान दर्ज कराने के इच्छुक हैं, वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थल पर उपस्थित हो सकते हैं। उन्होंने बताया की भ्रष्टाचार की प्राप्त शिकायत की सुनवाई के लिए गांव के सरपंच, उप सरपंच, सचिव, गांव के पूर्व सरपंच, सचिव सहित ग्रामीणों को जांच दल के समक्ष उपस्थित होकर बयान दर्ज कराने की सूचना दी गई है।

02 फरवरी को जिला पंचायत कार्यालय में दर्ज होगा ग्रामीणों का अभिकथन

एबीवीपी के छात्र शंखनाद में छात्र शक्ति का हुंकार

- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा छात्र शंखनाद कार्यक्रम में 1100 छात्र तरुणाई सम्मिलित हुए

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 75 वर्ष अमृत महोत्सव के रूप मे मनाया जा रहा है पूरे देश भर में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा जिला सम्मेलन का आयोजन किया रहा है जिसमें सरगुजा में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा छात्र शंखनाद का आगाज किया गया इसमें जिले भर से प्रत्येक शिक्षा परिसर से छात्र निकल कर भारत माता की जय ,वंदे मातरम के उद्घोष से इस पवित्र मां महामाया की धरती सरगुजा में देशभक्ति, राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत होकर विश्व गुरु भारत का ध्वज लेकर हम आगे जाएंगे ऐसे भाव को लेकर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया

दीप प्रज्वलन ,पुष्पा अर्पण करके मां सरस्वती ,स्वामी विवेकानंद जी को प्रणाम कर के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमे उद्घाटन सत्र मे मुख्य अतिथि के रूप में माधवेंद्र सिंह, डॉ. आर.के सिंह , जिला संयोजक उज्जवल तिवारी , जिसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य , सरगुजा विभाग संगठन मंत्री श्री दीपक गुप्ता जी ने बताया कि देश की आजादी के बाद हमारे महापुरुषों के इतिहास को कभी पढ़ाया ही नहीं किया भारत के गौरवपूर्ण तक्षशिला, नालंदा विश्वविद्यालय क्षतिग्रस्त करके वामपंथी विरोधी तत्वों ने देश के युवाओं को एक अलग ही दिशा में मोड़ने का प्रयास किया

आज पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है बहुत गर्व की बात है आजादी के बाद पहली बार ब्रिटेन ,अमेरिका की धरती पर भारत माता जी जय, वंदे मातरम के नारों पर 35मिनट तक तालियां बजती रही हम विवेकानंद जी के सपने को भारत को विश्वगुरु बनाने की ओर अग्रसर हो रहे हैं, विद्यार्थी परिषद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए लंबे संघर्ष किए हैं आज वह शिक्षा नीति लागू हुई है एक ऐसी शिक्षा नीति जो आज के विद्यार्थियों को अपने इतिहास से जोड़ेगी, अपने मिट्टी से,अपने महापुरुषों को पाठ्यक्रमों में पढ़ने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त होगा आज के युवा नौकरी के पिछे जाने के बजाए, नौकरी देने वाले बन रहे है और आत्मनिर्भर भारत को बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं

इसमें हमारा सरगुजा कैसा हो नशा मुक्त , जनजाति समाज के बच्चों को उत्तम शिक्षा की व्यवस्था हो, धर्मांतरण मुक्त सरगुजा, इन सारे विषयों को लेकर खुला मंच मे विद्यार्थी परिषद के छात्र नेताओं का भाषण हुआ

जिसमे मुख्य रूप से विभाग संयोजक गगन यादव, नगर मंत्री यशराज सिंह, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य व नगर सह मंत्री मुस्कान सिंह, रोहन मंडल, आर्यन गुप्ता, एवं जिलेभर से आए कार्यकर्ता राहुल नागवंशी सौंदर्या सिंह थापा, पुष्पराज सिंह अकाक्षा, प्रियांशु सोनी,अभिषेक जैसवाल,प्रियांशु सोनी, अभिषेक जयसवाल, राम प्रकाश ठाकुर राकेश गुप्ता, समारू यादव कमलेश्वर यादव सानू यादव गोपाल सिंह आसुमलभाई पटेल, अंश पांडे, अमन सिंह, गजेंद्र गोदारा, आदित्य पांडेय,राज गर्ग, यश सोनी, अमन प्रजापति, तनिष्क साहू, ओम पांडे,प्रियांशु पासी, हरिपाल सिंह,कार्तिक यादव, विवेक बैस, रीतेश बैस, वंश झा, प्रियम, हनी,अविनाश, विशाल गुप्ता, आशु ठाकुर, अमन सोनी, अनिंद हलधर,रवि ठाकुर, संस्कार पांडे, अमन साहू,प्रियांश सोनी,यश अग्रवाल,अंकित भास्कर ओम मनोज साहू एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आखिर पति ने क्यों अपनी विधायक पत्नी से राजनीति छोड़ने की है अपील ?

» आखिर क्या कारण की पति नही चाहते विधायक पत्नी करें राजनीति ?

» बैकुंठपुर विधायक के पति की विधायक के निज सचिवों से सोशल मीडिया पर मार्मिक अपील क्यों ?

» निज सचिव विधायक की सक्रिय राजनीति से बाहर निकलने में मदद करें,विधायक पति की है अपील

» बैकुंठपुर विधायक से क्षेत्र की जनता तो पहले से ही थी नाखुश,अब क्या पारिवारिक रूप से भी वैसी ही परिस्थिति आई सामने ?

» सोशल मीडिया पर पति के अपील के बाद एक बार फिर कोरिया की राजनीति हुई गर्म

» क्या विधायक अपने पति की अपील मानेंगीं या फिर अपने बेलगाम निज सचिव के बहकावे में ही चलेंगी ?

» विधायक अंबिका सिंहदेव से पति ने की सक्रिय राजनीति छोड़ने की मार्मिक अपील, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा पोस्ट

» क्या पति को अपनी पत्नी की कामयाबी पसंद नहीं आ रही या फिर उनकी राजनीति करने का तरीका पसंद नहीं आ रहा ?

» फेसबुक पोस्ट से झलका विधायक अंबिका सिंहदेव के पति का दर्द,मार्मिक अपील कर कहा राजनीति छोड़े,निज सहायकों से भी की गुजारिश

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 01 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर की राजनीति में नया भूचाल आया है और वह भूचाल है स्थानीय विधायक के पति का सोशल मीडिया में अपील कर राजनीति से अपनी पत्नी को दूर रहने को कहना, अब यह अचानक अपील क्यों आया किस वजह से आया यह तमाम तरह के सवाल उठना भी लाजमी है? पर कहीं ना कहीं उस सोशल मीडिया के पोस्ट को देखकर उनके पति का दर्द भी लोग समझ रहे हैं उस पोस्ट के पीछे पति का दर्द झलक रहा है इस बात को लोग समझ रहे हैं, आखिर ऐसा क्या वाक्या हो गया की पति सत्तापक्ष की अपनी ही विधायक पत्नी को राजनीति करने से रोकना चाहते हैं? अभी तक तो विरोधी ही स्थानीय विधायक पर हावी थे पर अब पति भी नहीं चाहते कि पत्नी राजनीति में रहे?

छत्तीसगढ़ के प्रथम वित्तमंत्री रामचंद्र सिंहदेव की भतीजी बैकुंठपुर विधायक और संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव के पति अमिताभ कुमार घोष ने फेसबुक पर की अपील में लिखा है की 'मुझे भी कुछ कहना है' बैकुंठपुर, कोरिया विधायक और संसदीय सचिव होने के साथ अम्बिका सिंह देव बीते 26 साल से मेरी पत्नी हैं हम एक-दूसरे को 51 साल से जानते हैं, हमारे दो बेटे भी है आज मैं मेरे धर्मपत्नी और हमारे बच्चों के माँ से अनुरोध करता हूँ, कि वो सक्रिय राजनीति छोड़ दें। अमिताभ कुमार ने इसके साथ विधायक अंबिका सिंहदेव के दोनों पीए भूपेंद्र सिंह और विनय जायसवाल के प्रति बीते पांच सालों से पत्नी के काम में सहयोग देने के लिए आभार जताते हुए अंतिम बार इस कार्य में सहयोग देने का अनुरोध किया है, अपने पति के सोशल मीडिया के जरिए की गई अपील को लेकर अंबिका सिंहदेव का अभी तक कोई भी अधिकृत बयान नहीं आया है और वह इस मामले में अभी चुप्पी साधे हुई हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि वह कार्यक्रम में व्यस्तता का जिक्र करते हुए इस संबंध में बाद में बात करने की बात कही हैं, बता दें कि अंबिका सिंहदेव राजपरिवार के किसी सदस्य के देहांत की वजह से जयपुर गई हुई हैं।

पति ने सोशल मीडिया पर एक अपील लिखकर कोरिया जिले की राजनीति में भूचाल ला दिया है

कोरिया जिले के एकमात्र बैकुंठपुर विधायक जो महिला हैं के पति ने सोशल मीडिया पर एक अपील लिखकर कोरिया जिले की राजनीति में भूचाल ला दिया है और उनकी अपील के कई मायने निकाले जा रहें हैं वहीं इसके पीछे जो सबसे बड़ी वजह सामने आ रही है वह पुरुष होकर महिला पत्नी की सफलता को बर्दास्त नहीं कर पाना बड़ी वजह मानी जा रही है जैसा की अनुमान लगाया जा रहा है। बैकुंठपुर विधानसभा में वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव पूर्व वित्तमंत्री पूर्व बैकुंठपुर विधायक एवम कोरिया कुमार के नाम से प्रसिद्ध स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव की भतीजी ने कांग्रेस पार्टी से भाग्य आजमाया और उन्हे सफलता मिली और वह विधायक बनी साथ ही उन्हे वर्ष बीतते बीतते संसदीय सचिव की भी जिम्मेदारी मिल गई और देखते ही देखते एक पारिवारिक रूप से जीवन जी रही श्रीमती अंबिका सिंहदेव का सार्वजनिक जीवन में प्रवेश हो गया जो पत्नी सहित दो बच्चों की मां की जिम्मेदारियों में अपना जीवन व्यतीत कर रहीं थीं, राजनीति खासकर सार्वजनिक जीवन में प्रवेश होने उपरांत जैसा की लग भी रहा था की पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए समय कम मिल सकेगा वैसा हुआ भी और आज उसका उदाहरण देखने को मिल रहा है जब उनके पति ही अब उनके राजनीतिक सन्यास की बात कर रहें हैं वह भी सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया पर। विधायक पति की अपील जो उन्होंने विधायक के दो निज सचिवों से की है उसके अनुसार उन्होंने दोनों से अपील की है की वे उनकी पत्नी को राजनीतिक जीवन से बाहर निकल दीजिए।

ऐसी क्या वजह आ गई कि अपनी पत्नी से बोलने के बजाय पति को सोशल मीडिया पर लिखना पड़ा ?

वैसे बैकुंठपुर विधायक एवम छत्तीसगढ़ शासन में संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव के पति को अपनी पत्नी को सक्रिय राजनीति से दूर करने के लिए सोशल मीडिया पर उनसे और उनके निज सचिवों से अपील करना पड़ रहा है और इसकी वजह क्या है यह भी स्पष्ट नहीं है। आखिर क्यों विधायक पति अपनी पत्नी को राजनीति से दूर करना चाह रहें हैं, वैसे इसके पीछे की एक वजह पुरुष होने के नाते उनको पत्नी की सफलता से खुद में उस तरह की प्रसिद्धि हासिल नहीं कर पाने का मलाल जैसा माना जा सकता है। माना जा रहा की पत्नी की सफलता से उन्हे कहीं न कहीं अपनी कम प्रसिद्धि खल रही होगी इसलिए उन्होंने यह अपील की है,वहीं यह भी माना जा रहा है की एक कारण यह भी हो सकता है की यह निर्णय स्वयं बैकुंठपुर विधायक का हो और उन्होंने इसे अपने पति की तरफ से प्रसारित करने को कहा हो क्योंकि वर्तमान में विधायक की लोकप्रियता और जनाधार चुनाव जीतने लायक नहीं है और इस तरह वह आगामी विधानसभा चुनाव में खुद की दावेदारी से पारिवारिक कारण बताकर बच निकलेंगी और भविष्य में फिर राजनीति की सोचेंगी। वैसे बात कुछ भी हो लेकिन यह अपने आप में एक नया ही विषय है और नया मामला भी की पति अपनी सफल पत्नी को सफलता का मार्ग छोड़कर घरेलू गृहणी स्वरूप में ही स्वीकार करना चाहता है।

विधायक दोनों निज सचिव से भी सहयोग की लगाई गुहार?

विधायक पति ने विधायक के दोनो निज सचिवों से भी विधायक को सक्रिय राजनीति से दूर करने में उनकी मदद करने की अपील सोशल मीडिया पर की है।वैसे विधायक के दो निज सचिवों का विधायक के राजनीतिक जीवन में कितना हस्तक्षेप है यह विधायक पति की सोशल मीडिया अपील से समझा जा सकता है जहां उन्होंने यह आग्रह किया है दोनो निज सचिवों से की वह विधायक को सक्रिय राजनीति से दूर करने में उनकी मदद करें। अब यह भी स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है की विधायक की अलोकप्रियता की वजह दोनो निज सचिव हैं जिनकी वजह से विधायक लोगों से दूर हुईं और आज परिणाम ऐसा सामने आया।

क्या विरोधियों के लिए सुखद ?

वैसे सत्ताधारी दल कांग्रेस सहित प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के उन विधायक विरोधियों के लिए यह सुखद संदेश है जो विधायक से लगातार दूरी बनाए हुए थे या विधायक के प्रतिद्वंदी हैं। अब कांग्रेस में ही कई ऐसे दावेदारों को जैसे एक उम्मीद मिल गई जो उनकी दावेदारी को और हवा दे गई।

आइए जानते है कौन हैं अमिताबो घोस

पूर्व वित्त मंत्री स्व.डॉ रामचंद्र सिंहदेव के जीवित रहते ही अंबिका सिंहदेव का राजनीतिक क्षेत्र में अप्रत्यक्ष रूप से आगमन हुआ। पूर्व वित्तमंत्री ने भी कभी सार्वजनिक रूप से श्रीमती सिंहदेव को राजनीति में आने के विषय में नही कहा था। हलांकि बीच-बीच में वे अपने साथ अंबिका सिंहदेव को दौरा कराया करते थे। इसी बीच पिछले विधानसभा चुनाव के पहले उनका निधन हो गया और फिर अंबिका सिंहदेव का राजनीतिक पदार्पण हो गया। उन्होने काका यानि की पूर्व वित्तमंत्री स्व. डॉ रामचंद्र सिंहदेव के नाम को खूब भूनाया भी, उनके सपनों को पूरा करने का वादा किया और कांग्रेस पार्टी की ओर से पिछले विधानसभा चुनाव में बतौर प्रत्याषी विधायक निर्वाचित हुई। श्रीमती अंबिका सिंहदेव पूर्व वित्तमंत्री के बड़े भाई स्व.महेन्द्र प्रताप सिंहदेव की पुत्री हैं जिनका विवाह अमिताबो घोस के साथ वर्ष 1996 में हुआ है। वे वर्तमान में लंदन में निवासरत हैं।

क्या लिखा है पोस्ट में

संसदीय सचिव श्रीमती अंबिका सिंहदेव के पति अमिताबो घोस द्वारा अपने फेसबुक पेज पर किये गये पोस्ट पर यदि गौर किया जाए तो उसमें उन्होने अत्यंत ही मार्मिक भरे अंदाज में लिखा है कि, मुझे भी कुछ कहना है-1,श्रीमती अंबिका सिंहदेव बैकुंठपुर कोरिया का विधायक और छत्तीसगढ के संसदीय सचिव होने के साथ मेरी धर्मपत्नी भी हैं पिछले 26 साल से (1996-2023)। हम एक दूसरे को जानते हैं 51 साल से (1972-2023)। हमारे दो बेटे भी हैं - 20 और 18 साल आर्यमान जय घोष और अनिरूद्ध घोष। आज मैं मेरी धर्मपत्नी और हमारे बच्चो के मां से अनुरोध करता हूं कि वो सक्रिय राजनीति छोड़ दें/इस्तीफा दे दे। मै उनके दोनो पीए भूपेंद्र सिंह और विनय जायसवाल से भी अनुरोध करूंगा कि आप दोनो इस काम में उनकी सहायता करें। पिछले 5 साल से आप ही दोनो मेरे पत्नी के हर काम में साए की तरह साथ दिये हैं, एक आखिरी बार दे दीजिए। हम हमारे परिवार के और से आप दोनो के हमेषा आभारी रहेंगे। श्री घोष के बारे में जानकारो का कहना है वे एक बेहद ही सुलझे और गंभीर प्रवृत्ति के इसांन है, उनकेद्वारा फेसबुक में किये गए उक्त पोस्ट के बाद इसे लोग विभिन्न रूप में देख रहे हैं और उनके व्यक्तिगत जीवन से लेकर सार्वजनिक जीवन के विषय में भी तरह तरह की बाते कर रहे हैं।

लिखने का कारण अस्पष्ट

संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव के पति अमिताबो घोस ने सोषल मीडिया में जिस प्रकार का लेख पोस्ट किया है उसके कई तरह के मायने हैं लेकिन उसके विषय मे उन्होन कुछ भी नही लिखा है। कारण स्पष्ट न होने से लोग यह नही समझ पा रहे हैं कि आखिर अचानक ऐसी क्या स्थिति निर्मित हो गई कि उनके पति को चुनाव के ठीक पहले इस प्रकार का पोस्ट करना पड़ा है। जानकारो का कहना है कि संभवतः पिछले चुनाव के पहले दोनो के बीच एक पंचवर्षीय तक ही राजनैतिक क्षेत्र में कार्य करने की बात थी लेकिन अब श्रीमती अंबिका सिंहदेव राजनैतिक क्षेत्र में ही रहना चाह रही हैं जिसके बाद ही संभवतःविवाद की स्थिति उत्पन्न हुई है। लंबे समय से संसदीय सचिव के पति का बैकुंठपुर क्षेत्र में न आना भी कई सवालो को जन्म देता है।

विवाद तो कारण नही ?

पिछले महीने क्षेत्र में राजनीति के क्षेत्र में काफी उठापटक देखने को मिला हैं संसदीय सचिव और पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े के बीच भी प्रत्यक्ष तो नही लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से काफी विवाद हुआ है। दोनो नेताओ के समर्थकों ने भी खूब आरोप प्रत्यारोप लगाये हैं। कुछ लोगो का कहना है कि हो सकता है इसी विवाद के बाद संसदीय सचिव के पति द्वारा इस प्रकार का पोस्ट किया गया है। तो वहीं कुछ जानकारो का कहना है कि अपने कार्यकाल में अंबिका सिंहदेव ने अपनी पार्टी में ही विरोधियों की लंबी फौज खड़ी कर ली है। आने वाला चुनाव उनके लिए आसान नही है शायद इस बात की भनक से यह पोस्ट लिखा गया हो। उक्त पोस्ट के बाद कई समर्थको ने श्री घोष से भी संपर्क करने की कोषिष की लेकिन उनसे संपर्क नही हो सका। सूत्रों ने बतलाया कि बुधवार सुबह श्री घोष कोलकाता से लंदन के लिए रवाना हुए हैं और रवाना होने के ठीक पहले उन्होने इस प्रकार का पोस्ट किया जिसके बाद फ्लाईट में होने के कारण उनसे संपर्क नही किया जा सका।

मामला लोगो के समझ से परे

बुधवार सुबह सोषल मीडिया में उक्त पोस्ट के आते ही यह चर्चा का विषय बन गया, कांग्रेसी समर्थको के साथ ही अन्य लोग भी यह समझने में लगे रहे कि आखिर ऐसी क्या स्थिति निर्मित हो गई कि इस प्रकार का मार्मिक पोस्ट करना पड़ा है।

इसमें भी कहीं कोई राजनीति तो नही

संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव के पति द्वारा किया गया यह पोस्ट संसदीय सचिव के लिए भी अब सवालिया निषान बन गया है। पूरे चार वर्ष क्षेत्र में जिस प्रकार की राजनीति संसदीय सचिव द्वारा की गई है वह किसी से छिपा नही है आज उनके खास समर्थक भी उनसे दूर हो चुके हैं। विपक्ष के कई लोगो का मानना है कि इस पोस्ट के पीछे भी संसदीय सचिव की कोई चाल हो सकती है। वे राजनीति के क्षेत्र में फ्लाप साबित हुई हैं,अब ऐसी संभावना नही है कि उनकी छवि में कुछ खासा सुधार हो आमजन भी संसदीय सचिव से काफी दूर हैं। पिछले बार के चुनाव में उन्हे सहानुभूति के आधार पर ही जीत मिली थी लेकिन इस बार ऐसी स्थिति नही है। हो सकता है सहानुभूति बटोरने के लिए इस प्रकार का पोस्ट कराया गया हो। क्योंकि राजनीति के क्षेत्र में किसी भी संभावना से इंकार नही किया जा सकता।

जमकर वायरल हुआ पोस्ट

सोषल मीडिया पर पोस्ट करते ही लोगो ने इसे खूब वायरल किया बैकुंठपुर विधानसभा ही नही बल्कि कोरिया से लेकर एमसीबी व पूरे छत्तीसगढ के लिए भी यह फेसबुक पोस्ट चर्चा का विषय बन गया। उक्त पोस्ट की सच्चाई और उसमें छिपा रहस्य क्या है पोस्ट आखिर क्यो किया गया, यह तो संसदीय सचिव और उनके पति ही बता सकते हैं लेकिन पोस्ट के बाद संसदीय सचिव की राजनीति और रणनीति क्या होगी यह भविष्य के गर्त मे है। उक्त मामले में संसदीय सचिव से भी संपर्क करने की कोषिष की गई लेकिन उनसे संपर्क नही हो सका। कयास लगाये जा रहे हैं कि जल्द ही इस विषय पर सामने आ कर वे अपना पक्ष रख सकती हैं।

सोशल मीडिया की कवायद कहीं सहानुभूति बटोरने का नया तरीका तो नहीं ?

जिस प्रकार से बैकुंठपुर विधानसभा के वर्तमान विधायक पति ने सार्वजनिक तौर पर विधायिका को इस्तीफा देने के लिए कहा और उनके निजी सचिव से इस्तीफा में सहयोग करने की मार्मिक अपील की, कहीं यह सहानुभूति बटोरने का नया पैंतरा तो नहीं। यूं तो राजनीति में साम दाम दंड भेद सब नीति जायज है और जनता को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए नित नए नए तरीके इजाद किए जाते रहे हैं। परंतु भावनात्मक तरीके से ब्लैकमेल कर जनता को स्वयं के प्रति आकर्षित करने का यह तरीका नायाब है। हांलाकी इस्तीफा देने की बात जिस संदर्भ में कहीं गई है वह अभी तक सामने नहीं आ पाई है। परंतु लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाओं का दौर जारी है। जिसमें विगत दिवस बैकुंठपुर विधानसभा में हुए गाली गलौज और अपशब्द वाले राजनीतिक गर्मा गर्मी और नए पैंतरे बाजी से सहानुभूति बटोरने का तरीका लोगों में जन चर्चा का विषय बना हुआ है।

विधायक विनय ने केंद्रीय बजट को बताया निराशाजनक

» रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा व आधारभूत इंफास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर कोई प्रावधान नहीं

- संवाददाता -
एमसीबी/चिरमिरी 01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि तमाम जो बातें हुई है उसमें भारतीय जनता पार्टी के नेता कयास और अनुमान लगा रहे हैं कि इससे 25 साल बाद विकास होगा 50 साल में देश का निर्माण होगा। बजट में मुख्य रूप से चार बातें होती है जो बजट में होनी चाहिए। आज देश को सबसे बड़ी जरूरत है रोजगार, दूसरा स्वास्थ्य, तीसरा शिक्षा का और चौथा नंबर आधारभूत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट। चारों ही चीजों का इस बजट में कोई भी प्रावधान नहीं है और कहा जा रहा है कि इस बजट से देश का विकास होगा ऐसी कोई दूरदर्शिता इस बजट में नजर नहीं आ रही है।

विधायक ने कहा कि छत्तीसगढ़ से भाजपा के 9 सांसद होने के बाद भी बजट में छत्तीसगढ़ की जनता को ठगा आज देश में जिस तरह से जीएसटी रिफंड राज्यों को देने के लिए केंद्र के पास पैसा नहीं है, जितने भी प्रावधान किए गए है उसके लिए पैसा कहां से आएगा यह कहीं भी नजर नहीं आता। इस प्रकार से यह जो बजट है बहुत ही निराशाजनक बजट है। इसमें महंगाई कम करने व बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कोई भी कदम सरकार ने नहीं उठाया जा रहा है , इसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है।

दिव्यांग व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता में जिले के दिव्यांग खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

- संवाददाता -
कोरबा,01 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले के दिव्यांग खिलाड़ियों ने राजधानी रायपुर में आयोजित दिव्यांग व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और तृतीय स्थान हासिल किया। इसके लिए आयोजकों की ओर से जिले के दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया । प्रतियोगिता सम्पन्न होने के बाद कोरबा पहुंचे दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर अपर कलेक्टर श्री विजेंद्र सिंह पाटले से मुलाकात की और प्रतियोगिता में टीम के बेहतर प्रदर्शन को लेकर जानकारी दी। उक्त प्रतियोगिता स्टार क्रिकेट क्लब की ओर से 28 व 29 जनवरी को रायपुर में आयोजित किया गया था। अपर कलेक्टर श्री पाटले ने दिव्यांग व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल होकर लौटे दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और टीम के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और आगे भी खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग की बात कही। इस अवसर पर दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों की ओर से टीम के कप्तान लक्की सोनी ने अपर कलेक्टर श्री विजेंद्र पाटले के समक्ष खिलाड़ियों के लिए कीट, स्पोटर्स ट्राइसाइकिल सहित अन्य सहयोग की मांग रखी। जिस पर अपर कलेक्टर ने मांगे पूरी करने का आश्वासन दिया और इसको लेकर समाज कल्याण विभाग को निर्देश किया।

ग्राम दमिया के गौठान में हुआ गोबर पेंट निर्माण इकाई का उद्घाटन

» प्राकृतिक पेंट निर्माण से पर्यावरण संरक्षण में होगी भागीदारी, महिलाओं को गांव में मिलेगा रोजगार

- संवाददाता -
कोरबा,01 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के गौठानों में प्राकृतिक पेंट निर्माण इकाई स्थापना और इसके माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार देने के मंशानुरूप विकासखण्ड पाली अंतर्गत ग्राम दमिया के गौठान में प्राकृतिक पेंट निर्माण इकाई का शुभारंभ किया गया। इसके माध्यम से अब कोरबा की महिलाएं भी गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाएंगी। प्राकृतिक पेंट निर्माण से न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। प्राकृतिक पेंट निर्माण इकाई से गांव की महिलाओं को गांव में ही रोजगार मिलेगा। दमिया के गौठान परिसर में पाली तानाखार विधायक श्री मोहित राम केरकेट्टा, गौसेवा आयोग के सदस्य श्री प्रशांत मिश्रा एवं कलेक्टर श्री संजीव झा ने जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्राकृतिक पेंट निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। अतिथियों ने गौठान में स्थापित इकाई की विभिन्न मशीनों और उपकरणों का अवलोकन किया। साथ ही पेंट निर्माण के विभिन्न चरणों की भी जानकारी ली। दमिया में स्थापित प्राकृतिक गोबर पेंट निर्माण इकाई की उत्पादन क्षमता प्रतिदिन 500 लीटर तक की है। इकाई के द्वारा प्रथम दिन 100 लीटर गोबर पेंट का निर्माण किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों को स्वसहायता समूह के सदस्यों ने गोबर पेंट भेंट किया। गाय के गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट एंटीबैक्टिरियल, एंटीफंगल, नॉनटॉक्सिक और पर्यावरण हितैशी होता है। इस अवसर पर विधायक श्री केरकेट्टा ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी गोधन न्याय योजना से गोबर से आय, खाद से आय अर्जित की जा रही है। इसके साथ ही प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है। इसी कड़ी में अब गोबर पेंट निर्माण से आय सृजन के नये अध्याय की शुरूआत हो रही है, जो कि निश्चित तौर पर सफल होगा। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना और नरवा-गरवार-घुरूवा-बाड़ी मॉडल स्थानीय ग्रामीण परिवारों के आय व संसाधन विकास की योजना के रूप में पर्याय बन चुकी है जिसे देश व विदेशों में सराहा जा रहा है। गौ सेवा आयोग के सदस्य श्री प्रशांत मिश्रा ने कहा कि पहले घर को शुद्ध करने के लिए छुही व गोबर का उपयोग करते थे। परंतु आज के समय में पवित्र गोबर से पेंट, डिस्टेंपर से हमारे घर, गांव के मकानों को रंगाई किया जाएगा। गोबर पेंट सुनकर भरोसा नहीं होता था। परंतु दमिया की दीदीयों ने यह बनाकर दिखा दिया। पूरे राज्य में कोरबा जिले में यह पांचवी इकाई स्थापित की जा रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर, जनप्रतिनिधि श्री नवीन सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष, जनपद सदस्य, दमिया की सरपंच श्रीमती अनिता जगत सहित सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर, एसडीएम पाली श्री शिव बनर्जी, डीपीएम श्री राजीव श्रीवास एवं गांव के ग्रामीणजन मौजूद रहे। प्राकृतिक पेंट निर्माण इकाई के शुभारंभ के अवसर पर कलेक्टर श्री संजीव झा ने कहा कि गांव की महिलाओं ने बहुत ही कम समय में अच्छा काम करके पेंट निर्माण इकाई के संचालन में भागीदारी निभाई है। प्राकृतिक गोबर पेंट निर्माण इकाई का स्वामित्व व देखरेख गौठान में कार्यरत शिव शक्ति स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा। उन्होंने इकाई के सुचारू संचालन के लिए समूह की महिलाओं को शुभकामनाएं दी। साथ ही मेहनत और लगन से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर श्री झा ने कहा कि गौठान निर्माण से चरणबद्ध विकास होते गए। पहले मवेशियों को गौठानों में रखकर चारा-पानी देने का काम शुरू किया गया। उसके पश्चात् गोबर खरीदी और वर्मी कम्पोस्ट निर्माण शुरू हुआ। तत्पश्चात् गौठानों में गांव की महिलाएं विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों में जुड़ती गईं। इसी के अगले चरण में गोबर से पेंट निर्माण इकाई का स्थापना किया गया है। अगले चरण में गोबर के फाइबर से कागज, गत्ता, थैला आदि बनाने का भी काम किया जाएगा। जिससे अधिक से अधिक महिलाओं को गांव में ही रोजगार प्राप्त होगा। उल्लेखनीय है कि गोबर पेंट-डिस्टेंपर निर्माण में 70-80 रूपए प्रति लीटर लागत आती है। समूह द्वारा गौठान में निर्मित प्राकृतिक पेंट को 150 रूपए प्रति लीटर की दर से विक्रय किया जाएगा। गोबर पेंट-इमर्शन निर्माण में 140-150 रूपए प्रति लीटर लागत आती है, जिसे समूह द्वारा 265 रुपए प्रति लीटर की दर से विक्रय किया जाएगा। पेंट निर्माण इकाई में स्थापित मशीनों को संचालित करने में 6-7 व्यक्तियों की आवश्यकता होती है। गोबर पेंट निर्माण में गोबर से बने 30 प्रतिशत सीएमसी का उपयोग होता है। शेष 70 प्रतिशत अन्य सामग्री 15-16 प्रकार की होती है। इस दौरान कलेक्टर श्री झा ने जय महामाया स्वसहायता समूह द्वारा तीन एकड़ चारागाह में किए जा रहे सब्जी उत्पादन का अवलोकन किया। चारागाह में महिलाओं के द्वारा आलू मिर्च, टमाटर, गोभी, मटर, बैगन उत्पादन करके लाभ कमाया जा रहा है। इस पर कलेक्टर ने स्व सहायता समूह के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

जिला पुलिस परिवार द्वारा पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह को स्थानांतरण होने के फलस्वरूप दी गई विदाई

- संवाददाता -
कोरबा,01 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह का जिला कोरबा से जिला बिलासपुर स्थानांतरण होने के फलस्वरूप दिनांक 31.01.2023 को पुलिस परिवार कोरबा द्वारा भावभीनी विदाई दी गई । इस विदाई अवसर पर कलेक्टर कोरबा संजीव झा ने कहा की संतोष सिंह बहुत ही सुलझे हुए पुलिस अधिकारी हैं,जिनके द्वारा शुरू किया गया निजात अभियान से समाज में नशे के विरुद्ध अच्छा माहौल बन रहा है ,अच्छा काम करने वाले अपने पद चिन्ह छोड़कर जाते हैं किसी भी कार्य में लीडर एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है जिसका बहुत महत्व होता है लीडर द्वारा जो कार्य किये जाते है वह एक तरह से विरासत होता है लीडर जैसा होता है, अधीनस्थ उसी के मुताबिक काम करते है उन्होंने उदाहरण देते हुए महाभारत में श्री कृष्ण का जिक्र करते हुए कहा की अर्जुन और कर्ण में कर्ण के पास शक्तियां अधिक थी, किंतु योग्य सारथी होने के कारण अर्जुन विजयी हुए । अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कहा की संतोष सिंह सर के साथ दो बार कार्य करने का अवसर मिला,रायगढ़ जिले में संतोष सिंह सर द्वारा किए गए सामुदायिक पुलिसिंग के कार्यक्रम संवेदना अभियान एवं कोरबा जिले में निजात अभियान का सहभागी बनने का अवसर

मिला । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने कहा कि कोरबा जिले में सभी अधिकारी कर्मचारियों का भरपूर सहयोग मिला, जिले में घटित सभी बड़े अपराधों में सफलता मिली, सहयोग प्राप्त हुआ ढ्ढ वर्तमान में अंग्रेजों के जमाने की पुलिसिंग प्रासंगिक नहीं है, पब्लिक फ्रेंडली पुलिसिंग होना जरूरी है , जिले में संचालित निजात अभियान के बारे में कहा कि उनकी थाना एवं चौकी प्रभारियों ने बहुत जिम्मेदारी से काम किया । ऐसा कोई मामला नहीं रहा जिसमें कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित हुई हो कलेक्टर श्री संजीव झा सहित जिला प्रशासन का अच्छा इच्छा है कि अवैध नशे के विरुद्ध जारी यह अभियान लगातार चलते रहना चाहिए । इस कार्यक्रम में निरीक्षक विवेक शर्मा द्वारा तैयार किया गया स्मरणिका का विमोचन किया गया, साथ ही स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर संजीव झा ,डीएफओ श्री अरविंद, जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर,अपर कलेक्टर प्रदीप साहू ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ,नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रॉबिंसन गुरिया,नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा विश्व दीपक त्रिपाठी , उप पुलिस अधीक्षक यातायात शिवचरण सिंह परिहार , उप पुलिस अधीक्षक प्रदीप येरेवार, एसडीएम सुश्री सीमा पात्रे सहित सभी थाना- चौकी प्रभारी एवं कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे ।

कलेक्टर ने फ्री एम्बुलेंस एवं फ्री शव फ्रीजर सेवा का किया लोकार्पण

- संवाददाता -
कोरबा,01 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टोरेट परिसर में जिले के कलेक्टर संजीव झा ने फ्री एम्बुलेंस सेवा एवं फ्री शव फ्रीजर सेवा का किया लोकार्पण बता दे के जिले के दीपका क्षेत्र में आकस्मिक स्वस्थ्य सम्बंधित घटना होने पर एम्बुलेंस सेवा की लम्बे समय से आवस्यकता बनी हुई थी , इसी को ध्यान में रखते हुए दीपका निवासी कोल् ट्रांसपोर्टर दिलीप सिंह ने अनोखा पहल की शुरुआत करते हुए फ्री एम्बुलेंस और सव फ्रीजर दीपका क्षेत्र में चलढ्ढने की पहल की , जिसका जिला कलेक्टर के द्वारा लोकार्पण किया गया दिलीप सिंह ने कहा के दीपका क्षेत्र

बहुत बड़ा है जिससे एम्बुलेंस सेवा की कमी बनी रहती है जिससे समय पर एम्बुलेंस सेवा का लाभ लोगों को नहीं मिलने से लोगों को अनहोनी का सामना करना पड़ता है अतः उन्होंने इसी कमी को पूरा करते हुए दीपका क्षेत्र में फ्री एम्बुलेंस सेवा जो की 100 कि .मी के दायरे में 24 घंटे फ्री सेवा के लिए उपलब्ध होगी ढ्ढ वर्तमान में एक एम्बुलेंस के माध्यम से यह सेवा शुरु किया जा रहा है धीरे धीरे आवश्यकता अनुसार बढ़ाया जायेगा उन्होंने सव फ्रीजर पर कहा के दीपका क्षेत्र में सव फ्रीजर की कमी होने से यहाँ के लोगों को शव रखने के लिए कोरबा तक जाना पड़ता था परन्तु यह सेवा शुरु होने से लोगों को अब यहाँ वहां भटकना नहीं पड़ेगा यह सेवा निशुल्क चलाया जायेगा इस अवसर पर जिले के कलेक्टर ने दिलीप सिंह द्वारा समाज के प्रति शुरु किये गए इस निशुल्क सेवा को अत्यंत सरहानीय कार्य कहा एवं उन्हें सुभकामनाये देते हुए कहा के समाज में प्रत्यक लोगों को समाज के प्रति जिम्मेदारियों को समझते हुए आगे आना चाहिए जिससे जरूरतमंद लोगों को एसे सेवाओं का लाभ मिल सके ढ्ढ इस अवसर पर जिला कलेक्टर सहित समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

काशीराम की पढाई में आर्थिक तंगी नहीं बनेगी बाधा,प्रशासन की मदद से आगे की होगी पढ़ाई

- संवाददाता -
कोरबा,01 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जनचौपाल आयोजित हुई। जिसमे अपर कलेक्टर द्वय श्री विजेंद्र पाटले और श्री प्रदीप साहू ने आम जनों की समस्याएं सुनी और निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। जनचौपाल में कोरबा एसडीएम श्रीमती सीमा पात्रे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजित जनचौपाल में 115 लोगों की ओर से आवेदन प्रस्तुत किए गए। जन-चैपाल में गेवरा बस्ती निवासी कांशी दास मानिकपुरी ने आवेदक देकर अपनी समस्या बताई कि वह एक पैर से दिव्यांग है और अपने पिता के निधन के बाद से अपनी

बहन व जीजा के साथ गेवरा बस्ती में रहता है। उसने बताया कि उसने कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई की है। लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण आगे की पढ़ाई नहीं कर पा रहा है। दिव्यांग कांशी राम की इस समस्या पर संवेदनशीलता दिखाते हुए अपर कलेक्टर श्री विजेंद्र पाटले ने उसकी मदद के लिए समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया। इसके साथ ही कॉलेज में स्वाध्यायी छात्र के रूप में परीक्षा फार्म भराने के लिए आवश्यक सहयोग करने को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए, प्रशासन से सहयोग के आश्वासन पर आवेदक कांशी राम ने भी खुशी जताई। जनचौपाल में आवेदक कटघोरा तहसील अंतर्गत बांकीमोगरा शक्ति चैक निवासी इशारुल-हक ने कहा कि उसकी 23 वर्षीय पुत्री को किडनी की बीमारी है। एम्स रायपुर के डॉक्टरों ने उसका किडनी ट्रांसप्लांट व डायलिसिस की सलाह दी है। प्रत्येक 2-3 दिन में उसका डायलिसिस होता है। उसने इलाज के लिए आर्थिक मदद की आवश्यकता बताई। जिस पर अपर कलेक्टर श्री विजेंद्र पाटले ने इलाज में सहयोग के लिए स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम को निर्देशित किया।

उदय किरण ने पदभार संभाला,कहा- विजिबल पुलिसिंग पर रहेगा जोर

- संवाददाता -
कोरबा,01 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा के नवनियुक्त जिला पुलिस अधीक्षक यू.उदय किरण ने बुधवार अपराह्न पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के पश्चात नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक ने राजपत्रित अधिकारियों की बैठक लेकर पहले ही दिन बेसिक पुलिसिंग के साथ विसिबल पुलिसिंग पर फोकस करने निर्देश दिए है। मीडिया से चर्चा करते पुलिस अधीक्षक उदय किरण ने बताया कि बेसिक पुलिसिंग पर फोकस करने साथ ही विजिबल पुलिसिंग पर फोकस करना रहेगा। लॉ इन्फोर्समेंट के साथ ही महिला संबंधित अपराधों में कमी लाने की दिशा में बेहतर कार्य किये जायेंगे। वहीं साइबर अपराधों में कमी लाने की दिशा में फोकस रहेगा। फेंडली पुलिसिंग के साथ अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हर नागरिक को न्याय मिल सके इसका पूरा प्रयास किया जाएगा। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, डीएसपी अजाक, सीएसपी कोरबा, डीएसपी यातायात सहित सभी थाना चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

महिला संबंधित व साइबर अपराधों को कम करने रहेगा विशेष फोकस

कोरबा पुलिस का ई-मालखाना,ई गवर्नेंस की ओर एक कदम

- संवाददाता -
कोरबा,01 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

बिलासपुर आईजी श्री बद्री नारायण मीणा,एसपी संतोष सिंह के मार्गदर्शन में सीएसपी दर्री रॉबिन्सन गुरिया द्वारा ई-मलखाना को डिजाइन, विकसित और कार्यान्वित किया गया । जानकारी देते हुए बताया गया की ई-मालखाना बेहतर जवाबदेही, भंडारण और पुनर्प्राप्ति के लिए मालखाना संपत्तियों को डिजिटल रूप से व्यवस्थित करने की एक पहल है । यह डिजिटल सिस्टम मैक्रो-एक्सेल का उपयोग कर एक सरल सॉफ्टवेयर कोड विकसित किया

गया है ,जो कि विजुअल बेसिक में बनाया गया है। इस सिस्टम में सभी संपत्तियों को बारकोड कर स्कैन किया गया है। भंडारण अनुकूलन और लेबलिंग के वैज्ञानिक सिद्धांत का उपयोग करके भंडारण किया जा सकेगा। 01 जनवरी, 2023 से अनुविभाग दर्री (थाना दर्री, दीपका, बांकीमोंगरा, कुसमुंडा, हरदीबाजार और सर्वमंगला चौकी) में सभी केस से सम्बंधित संपत्तियों को डिजिटल कर दिया गया है और नई संपत्तियों को वास्तविक समय में बारकोड किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के अंतर्गत मामले में जब्त की गयी संपत्ति तस्वीरों के साथ जानकारी संग्रहीत करता है। केस प्रॉपर्टी को एक निश्चित अलमारी या रैक पर रखा जाता है, जिसका विवरण कैरेट बॉक्स पर चिपकाए गए एक विशेष बार कोड के साथ पैक किए जाने के बाद सॉफ्टवेयर में दर्ज किया जाता है। एक बटन क्लिक करने और सॉफ्टवेयर में जानकारी दर्ज करने से, यह केस प्रॉपर्टी को खोजने में सुविधा प्रदान करता है। यह सॉफ्टवेयर भविष्य में कोरबा जिले के सभी थानों चौकियों में लागू किया जाएगा ।

जिला प्रशासन ने प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले 09 मृतकों के परिजनों के लिए स्वीकृत की 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि

- संवाददाता -
कोरबा,01 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री संजीव झा की पहल पर जिला प्रशासन ने प्राकृतिक आपदा में जान गवाने वाले 09 मृतकों के परिजनों के लिए चार-चार लाख रुपए की क्षतिपूर्ति सहायता राशि स्वीकृत की है। क्षतिपूर्ति की राशि पीड़ित परिवार के वारिस-मुखियों के बैंक खाते में ट्रांसफर की कार्रवाई की जा रही है। सहायता राशि मिलने से परिजनों को दुख की घडी में आर्थिक राहत मिलेगी। आर्थिक सहायता राशि की स्वीकृति राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधान के तहत प्रदान की गई है। हरदीबाजार तहसील अंतर्गत ग्राम मुक्ता निवासी श्रीमती धन बाई की सर्पदंश के कारण मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में मृतिका के पति श्री रामकिशुन धनवार को 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की स्वीकृति दी गई है। कोरबा तहसील अंतर्गत ग्राम लेमरू निवासी श्री कन्हैया लाल की तालाब में डूबने के कारण मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में उनकी पत्नी जेठ कुंवर को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। बरपाली तहसील अंतर्गत ग्राम सण्डैल निवासी श्रीमती अंजूलता देवाले की नहर के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में उनके

पति श्री गोपाल को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता की स्वीकृति प्रदान की गई है। बरपाली तहसील के ही ग्राम भैंसामुड़ा निवासी रामसिंह की तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में उनके पुत्र भोगदेव धनुवार को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। कोरबा तहसील अंतर्गत ग्राम धनगांव निवासी श्री निर्मल सिंह की हसदेव नदी की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में उनकी पत्नी सुमित्रा बाई को चार लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। तहसील कोरबा अंतर्गत ही ग्राम दोंदरो निवासी कृपाल सिंह कंवर की डबरी के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में उनकी पत्नी संगीता कंवर को चार लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। कोरबा तहसील अंतर्गत ही ग्राम ईमलीडुग्गु निवासी गायत्री सिंह की आग में जलने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में उनके पति रंजीत सिंह को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। तहसील कोरबा अंतर्गत पानी टंकी निवासी लैनदास की आग में जलने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में उनकी पुत्री चन्द्रिका बाई को चार लाख रूपए आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। तहसील पोड़ी-उपरोड़ा अंतर्गत ग्राम मेनगड़ी तुमान निवासी सुशील एक्का की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में उनके पिता श्री परस राम एक्का को चार लाख रूपए आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। अपर कलेक्टर श्री विजेंद्र पाटले ने बताया कि मृतकों के परिजनों को सहायता राशि स्वीकृत कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही की गयी है। मृतकों के मृत्यु के संबंध में संबंधित तहसीलदारों द्वारा पटवारी प्रतिवेदन, पंचनामा, शव परीक्षण, नजरी नक्शा, अकाल एवं आकस्मिक मृत्यु सूचना पंजी एवं संबंधित थाना का मर्ग प्रतिवेदन एवं शपथ पूर्वक बयान प्रस्तुत किया गया। साथ ही प्राकृतिक आपदा में जनहानि होने पर चार लाख रुपए की दर से सहायता राशि स्वीकृत करने की अनुशंसा की गयी। संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों के प्रतिवेदन पश्चात राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत मृतकों के परिजनों को क्षतिपूर्ति के रूप में 09 प्रकरणों में कुल 36 लाख रुपए की सहयोग राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि-25/01/2023

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. आनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि:-14/02/2023
02. संबंधित संभाग -स.क्रं. 1 से 4 जशपुर, स.क्रं.4 से 8 पत्थलगांव, स.क्रं.9 से12 मनेंद्रगढ़, स.कं. 13 से 16 सूरजपुर संभाग स.क्रं.17 से 19 अम्बिकापुर एवं स.क्रं. 20 से 23 रामानुजगंज संभाग।

सरल क्रं	एन.आई.टी.क्रं/ऑन लाईन सिस्टम क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	199 1st call C Class and Above	बालाछापर आरा सकरडेगा मार्ग लंबाई 2.70 कि.मी एवं आगडीह नीमागांव पैकू मार्ग लंबाई 5.04 कि.मी. में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	157.65
2	200 1st call C Class and Above	जशपुर गुमला मार्ग लंबाई 2.70 कि.मी.जिला जेल से भागलपुर हाउसिंग बोर्ड कालोनी मार्ग के कि.मी.1 से 3/5 एवं जिला जेल से भागलपुर हाउसिंग बोर्ड कालोनी मार्ग के कि.मी. 3/5 से 4/10 में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	175.87
3	201 1st call C Class and Above	जशपुर सन्ना मार्ग के कि.मी. से से 3/10 एवं जशपुर सन्ना मार्ग के कि.मी. 4/2 से 5/4 में बी.टी.रिनीवल का कार्य।	120.18
4	202 1st call C Class and Above	जिला जशपुर के कुनकुरी बस स्टैण्ड मार्ग लंबाई 0.80 कुनकुरी विश्रामगृह पहुंच मार्ग लंबाई 0.60 कि.मी. लोरो कस्तुरा मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी एवं एन.एच.43 से दुलदुला पहुंच मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	125.28
5	203 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बगीचा के अंतर्गत सन्ना पण्डरापाठ बगीचा मार्ग के कि.मी. 1 से 6 = 6.00 कि.मी. एवं बगीचा रेंगले बेतरा मार्ग के कि.मी. 6 से 11 = 5.00 कि.मी. में बी.टी.नवीनीकरण का कार्य।	150.00
6	204 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं.1, 2 पत्थलगांव अंतर्गत तुरियालगा भगोरा मार्ग के कि.मी. 1 से 4/8(100) मीटर = 4.70 कि.मी.मेडरबहार पहुंच मार्ग लंबाई 1/2 से 1/10 = 1.00 कि.मी. मेनरोड कोतबा पोटापारा मार्ग लंबाई 1 से 3 =3.00 कि.मी. गोठाईडांड़ करूमहुआ मार्ग लंबाई 1 से 2 =2.00 कि.मी. एवं महादेवडांड मार्ग 1 से 2/2 = 1.10 कि.मी में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	174.17
7	205 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 2 पत्थलगांव एवं बगीचा के अंतर्गत कांसाबेल सराईपानी मार्ग कि.मी. 15/4 से 17/10 =2.80 कि.मी एवं सराईपानी बगीचा मार्ग के कि.मी. 23,24 = 2.00 कि.मी.में बी.टी.नवीनीकरण का कार्य।	115.37
8	206 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र.2 पत्थलगांव एवं बगीचा के अंतर्गत घुघरी मरोल ढोढरअम्बा मार्ग लंबाई 7 से 12, 13 से 15 =9.00 कि.मी एवं नकबार पहुंच मार्ग कि.मी.1 से 5 =5.00 कि.मी. में बी.टी.नवीनीकरण कार्य।	172.94
9	207 1st call C Class and Above	पटना भैयाथान मार्ग (एस एच 12) के कि.मी.1,2,3,4,5,6 =6.00 कि.मी. में डामर नवीनीकरण का कार्य।	146.95
10	208 1st call C Class and Above	रामगढ़ से कोटाडोल मार्ग के कि.मी.7,8,9,13,14,15/2 से 15/4 = 5.40 कि.मी. एवं 10,11,12,15/8 से 15/10,16,17 =5.40 कि.मी में डामर नवीनीकरण का कार्य।	143.65
11	209 1st call C Class and Above	मनेन्द्रगढ़ से झगराखण्ड मार्ग लंबाई 1.60 कि.मी.(एस एच 08) कासाबहरा भौता मार्ग के कि.मी. 1,3,5 =3.00 कि.मी. एवं कि.मी. 6,7 = 2.00 कि.मी. में डामर नवीनीकरण का कार्य।	186.55
12	210 1st call C Class and Above	केन्दई चोटिया खड़गवां बैकुण्ठपुर म.प्र. सीमा के कि.मी. 94,95,96,100,101,102 =6.00 कि.मी. में डामर नवीनीकरण का कार्य।	146.95
13	211 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग प्रेमनगर अंतर्गत पोड़ी,सुमेरपुर,कुड़ेली मार्ग के कि.मी. 1 से 5 भाग -1 एवं कि.मी. 06 से10/4 भाग 2 में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	142.33
14	212 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग सूरजपुर अंतर्गत सूरजपुर, महुआपारा,देवीपुर पहुंच मार्ग के कि.मी. 1 से 3 एवं बड़सरा कुसमुसी मार्ग के कि.मी.1 से 5 एवं सूरजपुर कालेज पहुंच मार्ग लंबाई 1.20 कि.मी.में बी.टी.नवीनीकरण का कार्य।	160.83
15	213 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग सूरजपुर अंतर्गत गंगोटी, भंवराही,कुसमुसी केवरा मार्ग के कि.मी. 1 से 7 (भाग 1) एवं कि.मी. 10 से12 एवं कि.मी.15 से 17 (भाग 2) तथा शिवप्रसादनगर से बड़सरा धरसेड़ी मार्ग के कि.मी. 0 से 1/8 एवं बड़सरा चौक से पीढ़ा बस्ती मार्ग के कि.मी. 0 से 1/6 में बीटी नवीनीकरण का कार्य।	174.49
16	214 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग सूरजपुर अंतर्गत भुवनेश्वरपुर, नारायणपुर, सागरपुर मार्ग के कि.मी.05 से 10/6 एवं भैयाथान से धरसेड़ी मार्ग के कि.मी. 1 से 7 एवं मसगा से परसवार मार्ग के कि.मी.01 से 02 में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	180.84
17	215 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग संभाग अम्बिकापुर अंतर्गत उदयपुर से मतरिंगा मार्ग (व्हाया सायर केदमा मार्ग)लंबाई 3 कि.मी. गुदरी चौक से महाराणा प्रताप चौक लंबाई 1.50 कि.मी., उदयपुर रेस्ट हाऊस पहुंच मार्ग लंबाई 0.30 कि.मी. कलेक्टर परिसर मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. जिला न्यायालय परिसर मार्ग लंबाई 0.50 कि.मी. लखनपुर बस स्टैण्ड मार्ग से शिवपुर (पुराना लखनपुर रोड) लंबाई 2.20 कि.मी. एवं सोनगरा रेस्ट हाउस मार्ग लंबाई 0.30 कि.मी. में बी.टी.नवीनीकरण का कार्य।	151.81
18	216 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग संभाग अम्बिकापुर अंतर्गत मेण्ड्रा हरिहरपुर शिवपुर करजी बरकेला पोड़ी बतौली मार्ग के कि.मी. 12 एवं 13 कुल लंबाई 2.00 कि.मी. बेलकोटा बरगीडीह रोड के कि.मी. 1 से 5 = 5.00 कि.मी. कोट पहुंच मार्ग के कि.मी. 1 एवं 2 लंबाई 2.00 कि.मी. में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	135.23
19	217 1st call C Class and Above	लोक निर्माण विभाग संभाग अम्बिकापुर अंतर्गत दरिमा मैनपाट के कि.मी.1,2,10/8 (100 मी.) 18 एवं 19 कुल 4.70 कि.मी. दरिमा बड़ेदमाली लखनपुर मार्ग के कि.मी. 2 एवं 3 कुल लंबाई 2.00 कि.मी.में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।	198.29
20	218 1st call C Class and Above	गोविन्दपुर से बोंगाबंडवार मार्ग के कि.मी. 1 से 6 कुल 6.00 एवं बड़वार से धुमाडांड़ मार्ग के कि.मी. 1 से 6/2 कुल 5.20 कि.मी. में बी.टी.रिनीवल का कार्य।	145.18
21	219 1st call C Class and Above	दुर्गापुर चीता मार्ग के कि.मी. 1 से 6 =6.00 कि.मी.एवं दुर्गापुर चीता के कि.मी. 7 से 12/4 = 5.30 कि.मी. में बी.टी. रिनीवल का कार्य।	158.62
22	220 1st call C Class and Above	शारदापुर विरेन्द्रनगर मार्ग के कि.मी. 1 से 6 = 6.00 कि.मी. शारदापुर विरेन्द्रनगर मार्ग के कि.मी. 7 से 12/6 =5.60 कि.मी एवं गोविन्दपुर से बोंगा बड़वार मार्ग के कि.मी. 7 से 9/2 =2.20 कि.मी.में बी.टी.रिनीवल का कार्य।	191.86
23	221 1st call C Class and Above	स्याही सनावल मार्ग के कि.मी. 10 से 12 = 3.00 कि.मी. स्याही सनावल मार्ग के कि.मी. 19 से 21 = 3.00 कि.मी. एवं स्याही सनावल मार्ग के कि.मी.22 कुल 1 कि.मी. में बी.टी. रिनीवल का कार्य।	188.40

जी नंबर-98022/3

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

CMYK

आपने युवा लड़कियों को एक सपना दिया है सचिन

बीसीसीआई ने महिला यू 19 टी20 डब्ल्यूसी को सम्मानित किया

अहमदाबाद,01 फरवरी 2023। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह और महान भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में विश्व कप चैंपियन भारत अंडर-19 महिला टीम को सम्मानित किया।

विश्व कप विजेता कप्तान शैफाली वर्मा ने 5 करोड़ रुपये का चेक प्राप्त किया, बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह टीम और सहयोगी स्टाफ के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की।

यह सम्मान भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरे और अंतिम टी20ई से पहले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुआ।

इस विश्व कप को जीतकर, आपने भारत में युवा लड़कियों को देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना दिया है। डब्ल्यूपीएल की शुरुआत सबसे बड़ी बात होने जा रही है। मैं पुरुषों और महिलाओं के लिए समानता में विश्वास करता हूं, न कि केवल खेल में समान अवसर होना चाहिए, ÷सचिन तेंदुलकर ने कहा।

रविवार को टीम इंडिया ने इंग्लैंड को एकतरफा फाइनल में हराकर पहले उसे 68 रन पर आउट कर फिर 14 ओवर में लक्ष्य का पीछा कर लिया. भारत रविवार को पहली बार आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप विजेता बना।

मैच में आते ही, भारतीय गेंदबाजों के जबरदस्त गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद गोंगाडी त्रिशा और सौम्या तिवारी की दस्तक ने भारत को दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में सेनवेस पार्क में शिखर मुकाबले में इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप खिताब जीतने में मदद की। .

यह गेंद के साथ एक और क्लिनिकल प्रदर्शन था जिसने भारत की जीत की कुंजी पकड़ी, तीता साधु ने गति निर्धारित की, स्पिनरों ने एक और शानदार प्रदर्शन किया जब यह मायने रखता था।

बेहतरीन गेंदबाजी का पूरक क्षेत्ररक्षण था। इंग्लैंड के कप्तान ग्रेस

स्क्रिवेंस की बर्खास्तगी ने भारतीय रैंकों में दृढ़ संकल्प का प्रतीक बना दिया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अर्चना को लॉन्ग ऑफ की ओर मारा, जहां गोंगड़ी तृषा दौड़ी, फिर एक शानदार, लचकदार कैच लेने के लिए आगे छलांग लगाई।

यह भावनात्मक स्थिति के आधार पर काले से पारभासी में बदल जाता हैहर्बट्युटी इंदिरा गांधी के बारे में 9 रोचक तथ्य हर्ब्यूटीयह कई मायनों में महत्वपूर्ण विकेट था, और भारत के उत्सवों ने इसकी पुष्टि की। स्क्रिप्वेन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार लेने के लिए आगे बढ़ेंगे, लेकिन उन्होंने बल्ले से बेहतर अंग्रेजी प्रदर्शन के लिए वह सब छोड़ दिया होगा।

शैफाली वर्मा ने टॉस जीता और गेंदबाजी के लिए चुनी गईं, और साधु ने पहले ओवर में फिर से प्रहार किया। उसने एक को लिबर्टी हीप पर चढ़ाया, जो केवल उसके प्रयास को सीधे ऊपर और एक उल्लासपूर्ण साधु के पास वापस खींच सकता था।

चार ओवरों में 6 रन देकर दो विकेट लेने के उनके आंकड़े ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिलाया, जिस शुरुआत के लिए भारत तरस रहा था। अर्चना (17 रन देकर दो) और अदम्य पारशवी चोपड़ा ने उनका अच्छा साथ दिया, जिन्होंने 13 रन देकर दो विकेट झटके और एक शानदार टूर्नामेंट की पेशकश को समाप्त कर दिया।

मन्नत कश्यप, वर्मा और सोनम यादव के लिए भी विकेट थे, क्योंकि इंग्लैंड ने चार विकेट पर 22 रन बनाए और फिर अंततः 17.1 ओवर में 68 रन बनाकर आउट हो गए। फ्री-स्कोरिंग के एक टूर्नामेंट के बाद, केवल रेयाना मैकडोनाल्ड-गे (24 गेंदों में 19 रन), नियाम हॉलैंड (10) और सोफिया स्मेल (11) ही दहाई के आंकड़े तक पहुंच सकीं।

गेंद के साथ अधिक वीरता की इंग्लैंड की उम्मीदें तब जगीं जब उन्होंने पहले चार ओवर के अंदर वर्मा (15) और श्वेता सहरावत (5) को हटा दिया। वर्मा ने एक चौका और एक छक्का मारा क्योंकि उसने हन्ना बेकर को शॉर्ट फाइन-लेग पर शीर्ष पर पहुंचाने से पहले इंग्लैंड पर गर्मी डालने की कोशिश की।

सौम्या तिवारी और तृषा में से कुछ भी नहीं था। तिवारी ने 37 गेंदों में नाबाद 24 रन में तीन चौके जड़े, जबकि तृषा जैसे ही लक्ष्य नजर आया, वह और तेज हो गई। एलेक्सा स्टोनहाउस द्वारा फेंके गए उनके 29 गेंदों के प्रवास को 24 पर समाप्त कर दिया गया क्योंकि उन्होंने इसे शैली में समाप्त करने की कोशिश की।

झूलन गोस्वामी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली,01 फरवरी 2023। भारत में पहली बार महिला आईपीएल का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए बीसीसीआई ने तैयारी शुरु कर दी है। पांच फ्रेंचाइजियों को आईपीएल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है। कुछ दिनों पहले अडानी की टीम ने भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को मेंटर नियुक्ति किया। अब दिग्गज भारतीय तेज गेंदबाज झूलन को मुंबई फ्रेंचाइजी ने महिला प्रीमियर लीग में अपना गेंदबाजी कोच और मेंटर बनाया है।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार, इसका खुलासा भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने किया, जिन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त करने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के निदेशक के रूप में फिर से शामिल किया। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के हवाले से गांगुली ने मंगलवार को ईडन गार्डन्स में मीडिया से कहा, झूलन मुंबई चली गई हैं।÷ गांगुली ने कहा, हमने उन्हें ऑफर दिया था, लेकिन वह मुंबई जा रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लिए हैं 355 विकेट

बता दें कि 40 वर्षीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। झूलन के नाम कुल 355 अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं, जो महिला क्रिकेट में किसी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक हैं। बता दें कि पहले महिला प्रीमियर लीग (ड्ब्ल्यूपीएल) के लिए खिलाड़ी की नीलामी 11 या 13 फरवरी को नई दिल्ली या मुंबई में होने की संभावना है, इसके लिए बीसीसीआई इस सप्ताह अंतिम निर्णय लेगा।

पांच फ्रेंचाइजियों को मिला टीम खरीदने का अधिकार

गौरतलब हो अडानी समूह, कैपरी ग्लोबल, मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने महिला आईपीएल टीम खरीदने के लिए बोलियां जीती हैं। पहला सीजन इस साल के मार्च में शुरु होने की संभावना है। चेन्नई और कोलकाता बोली लगाने में चूक गई। इन दोनों फ्रेंचाईजियों कोई भी महिला आईपीएल टीम नहीं मिली।

टी-20 में भारत की सबसे बड़ी जीत

» न्यूजीलैंड को 168 रन से हराया

» गिल का शतक...पंड्या ने लिए 4 विकेट

अहमदाबाद 01 फ रवरी 2023। टीम इंडिया ने तीसरे टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को 168 रन से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। अहमदाबाद में हुए सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारत ने शुभमन गिल के इस फॉर्मेट में पहले शतक की बदौलत 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 234 रन बनाए। जवाब में कीवी टीम 12.1 ओवर में 66 रन के स्कोर पर ऑलराउट हो गई। हार्दिक पंड्या ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। पंड्या ने ब्लेयर टिकनर एक रन, लोकी फर्ग्युसन शून्य, ग्लेन फिलिप्स 2 रन और फिन एलेन 3 रन के विकेट लिए।

हमारी सबसे बड़ी जीत, कीवियों की सबसे बड़ी हार

यह टी-20 क्रिकेट में रन के लिहाज से भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत और न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी हार है। भारत का पिछला रिकॉर्ड 143 रन से जीत का था। टीम इंडिया ने 2018 में आयरलैंड को 143 रन से हराया। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ 2010 में 103 रन से हारी थी।

टी-20 में किसी टेस्ट टीम की दूसरी सबसे बड़ी

भारत ने टी-20 इंटरनेशनल में किसी टेस्ट टीम की दूसरी सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया। पहले स्थान पर श्रीलंका की टीम है। श्रीलंका ने 2007 में केन्या को 172 रन से हराया था। अगर टेस्ट न खेलने वाली टीमों के रिकॉर्ड भी शामिल करें तो टी-20 इंटरनेशनल में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड चेक रिपब्लिक के नाम है। चेक टीम ने 2019 में तुर्किये को 257 रन से हराया था। गिल ने तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड, टी-20 में भारत के टॉप स्कोरर बने

सीरीज के पहले दो मुकाबलों में फ्लॉप रहे गिल ने इस पारी में 63 गेंदों पर 126 रन की पारी खेली। उन्होंने 12 चौके और 7 छक्के जमाए। राहुल त्रिपाठी ने 44, कप्तान हार्दिक पंड्या ने 30 और सूर्यकुमार यादव ने 24 रन बनाए।

गिल टी-20 इंटरनेशनल में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा। विराट ने पिछले साल अफगानिस्तान के खिलाफ 122 रनों की पारी खेली थी।

वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की बवाल की रिलीज डेट टली

वरुण धवन और जाह्नवी कपूर अपनी आगामी फिल्म बवाल को लेकर चर्चा में हैं। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 7 अप्रैल, 2023 को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, अब प्रशंसकों को इस फिल्म के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा क्योंकि कुछ तकनीकी मुद्दों के कारण इस फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। बता दें कि यह वरुण के करियर की अब तक की सबसे महंगी फिल्म होगी।

रिपोर्टेस के मुताबिक, निर्देशक नितेश तिवारी ने कहा, फिल्म की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए हम किसी भी तरह से फिल्म के इफेक्ट्स से समझौता नहीं कर सकते हैं। इसी वजह से हमने फिल्म की रिलीज डेट को स्थगित करने का फैसला लिया है। बवाल फिल्म की ऑनस्क्रीन प्रस्तुति को लेकर निर्माता काफी ज्यादा उत्साहित हैं, इसलिए वह पोलैंड में एक विशेष तकनीक का इस्तेमाल करके इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। बवाल एक छोटे शहर के एक लड़के की कहानी है और वह शहर की सबसे खूबसूरत मानी जाने वाली लड़की से शादी करना चाहता है। बवाल की शूटिंग के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। इसमें एक खास ऐक्शन सीन की शूटिंग में करीब ढाई करोड़ रुपये प्रतिदिन खर्च हुए। वहीं 10 दिन में यूरोप में शूट किए गए एक दृश्य पर करीब 25 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

इस फिल्म की शूटिंग भारत के अलावा पेरिस, पोलैंड, बर्लिन और एम्सटर्डम की महंगी जगहों पर की गई है। फिल्म के लिए स्टंटबाज और एक्शन डायरेक्टर जर्मनी से बुलाए गए हैं। इसके क्रू में 700 से ज्यादा लोग शामिल हैं। इस फिल्म के निर्माता दर्शकों के लिए इसे एक बेहतरीन अनुभव बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं, इसलिए इस फिल्म की शूटिंग में खूब पैसा बहा रहे हैं। आने वाले दिनों में वरुण अपने करियर की पहली बायोपिक इक्कीस में नजर आएंगे, जो युद्ध नायक अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। उनका नाम फिल्म सनकी से भी जुड़ा है, जिसमें वह अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ नजर आएंगे। इसका निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। इसके अलावा वरुण दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी काम करना चाहते हैं। यदि उन्हें अच्छा ऑफर मिलेगा तो वह साउथ फिल्मों में भी नजर आ सकते हैं।

कटआउट थाई स्लिट ड्रेस में नेहा भसीन लगीं बेहद हॉट,

बिग बॉस सीजन 15 की एक्स कंटेसटेंट और बॉलीवुड सिंगर नेहा भसीन इन दिनों अपने बोल्ड फोटोज और वीडियोज से सोशल मीडिया का पारा गर्म करने में लगी हुई हैं। नेहा भसीन जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में सुर्खियां बटौरने लगती हैं। हाल ही में नेहा का लेटेस्ट ग्लैमरस लुक ने एक बार फिर इंटरनेट पर तूफान ला दिया है। नेहा भसीन ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में नेहा भसीन का हॉट अवतार देख कर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। नेहा भसीन ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में हॉल्टर नेकलाइन सिल्वर कलर की थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है। सिंगर नेहा अपने इस आउटफिट में बेहद ही सिजलिंग और हॉट दिखाई दे रही हैं। उनकी इन तस्वीरों को देख कर फैंस एक बार फिर से उनकी अदाओं पर क्लीन बोल्ड हो गए हैं। ओपन हेयर और ग्लॉसी मेकअप के साथ नेहा भसीन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में नेहा भसीन अपना परफेक्ट फिगर, क्लीवेज और हाथ पर बना स्कॉर्पियो टैटू फ्लॉन्ट करते हुए हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। नेहा भसीन इन दिनों भले ही ज्यादा काम करती हुई नहीं नजर आ रही हो लेकिन वो सोशल मीडिया पर आए दिन फैंस के साथ जुड़ी हुई रहती हैं। बता दें कि नेहा भसीन सोशल मीडिया लवर हैं और आए दिन फैंस के बीच अपनी सिजलिंग और बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिसमें फैंस अपनी प्रतिक्रियाएं भी देते हैं।

इब्राहिम खान की अभिनय में एंट्री, फरवरी से शुरू करेंगे अपनी पहली फिल्म की शूटिंग

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान पिछले काफी समय से बॉलीवुड में एंट्री करने को लेकर चर्चा में हैं। अब ये इंतजार खत्म होने जा रहा है क्योंकि इब्राहिम फरवरी से अपनी पहली फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। करण जौहर इस फिल्म के प्रोडक्शन का काम संभाल रहे हैं, वहीं इसके निर्देशन की जिम्मेदारी बोमन ईरानी के बेटे कायोज ईरानी को सौंपी गई है। इब्राहिम की पहली फिल्म में उनके साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसमें काजोल और पृथ्वीराज एक-दूसरे के विपरीत हैं, जबकि इब्राहिम के रोल के बारे में अभी कोई खुलासा नहीं किया गया है। फिलहाल इब्राहिम फिल्म के लिए अपने शारीरिक बदलाव पर काम कर रहे हैं। बता दें कि इस फिल्म का नाम अभी तक सामने नहीं आया है, लेकिन इसकी कहानी कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ और सुरक्षाबलों पर आधारित होगी।

केंद्रीय बजट से छत्तीसगढ़ को फायदा है या नुकसान

केंद्रीय बजट से छत्तीसगढ़ को मिलेगी नई उपलब्धि

रायपुर, 01 फरवरी 2023(ए)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को आम बजट पेश कर दिया है। चुनावी साल के इस बजट से छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं बनाई हैं। इसमें आदिवासी जिलों में एकलव्य आवासीय विद्यालयों में नई भर्तियों, विशेष संरक्षित जनजातियों के विकास के लिए शुरू हुए नए मिशन और मिलेट निर्यात को बढ़ावा देने की नीति से छत्तीसगढ़ को फायदा होता दिख रहा है।

छत्तीसगढ़ का बड़ा हिस्सा आदिवासी बहुल है। यहां के 24 जिलों 73 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय हैं। इन स्कूलों के जरिये आदिवासी बच्चों को निःशुल्क पढ़ाई और आवास की सुविधा दी जाती है। केंद्रीय बजट में कहा गया है कि देश भर के ऐसे विद्यालयों में 38 हजार 800 शिक्षकों और सहायक कर्मियों की भर्ती होनी है। छत्तीसगढ़ के इन स्कूलों में करीब 4 हजार पद रिक्त हैं। बजट घोषणा से उम्मीद बढ़ी है कि इस साल इन रिक्त पदों पर भर्तियां पूरी हो जाएंगी। इसका फायदा रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं और वहां पढ़ने वाले बच्चों को भी मिलेगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने विशेष संरक्षित जनजातियों के विकास के लिए प्रधानमंत्री पीवीटीजी डेवलपमेंट मिशन की घोषणा की है। इसके तहत अगले तीन साल तक 15 हजार करोड़ रुपया खर्च किया जाना है। छत्तीसगढ़ में इन विशेष संरक्षित जनजातियों में बैगा, पहाड़ी कोरबा, अबूझमाड़िया, कमार और बिरहोर की अच्छी खासी आबादी है। इस मिशन से इस आबादी को पक्का आवास, पेयजल, सड़क, बिजली और सतत आजीविका के साधन दिये जाने हैं।

सूखे इलाकों में लहलहा सकती है उम्मीद

केंद्रीय बजट में इस बार मिलेट को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैकेज की घोषणा है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, देश को मिलेट का हब बनाया जाएगा। मिलेट उत्पादों को विदेशों में निर्यात करने को प्रोत्साहित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ में पिछले तीन-चार सालों में मिलेट फसलों कोदो-कुटकी-रागी आदि का उत्पादन बढ़ा है। यहां कोदो की खरीदी 30 रुपए प्रति किलो, कुटकी की खरीदी 31 रुपए और रागी की खरीदी 35.78 रुपए प्रति किलो की दर से हो रही है। अब तक सरकार 5 करोड़ 60 लाख रुपए मूल्य की 18 हजार 328 क्विंटल कोदो, कुटकी और रागी की खरीदी कर चुकी है। केंद्र सरकार का प्रोत्साहन बढ़ा तो कम पानी वाले इलाकों में इस फसल का रकबा बढ़ेगा। इसके साथ ही अर्थव्यवस्था की धान पर निर्भरता कम होगी।

सिकलसेल एनिमिया के खिलाफ बड़ी मदद

केंद्रीय बजट में साल 2047 तक सिकलसेल एनिमिया को खत्म करने का मिशन हाथ में लिया है। छत्तीसगढ़ की बड़ी आबादी इस बीमारी से ग्रस्त है। इसके खिलाफ लड़ाई में राज्य सरकार को केंद्र से बड़ी मदद मिल सकती है।

5जी एप के लिए प्रयोगशाला का भी फायदा

केंद्रीय बजट में 5जी एप बनाने के लिए देश भर में 100 प्रयोगशालाएं शुरू करने की बात हुई है। कहा गया कि ये प्रयोगशालाएं इंजीनियरिंग संस्थानों में खोली जाएंगी। छत्तीसगढ़ में फिलहाल तीन बड़े संस्थान हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई-आई आई टी राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर-एनआईटी और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नवा रायपुर आई आई टी में से कम से कम दो में ऐसी प्रयोगशालाओं की संभावनाएं बढ़ी दिख रही हैं।

प्राकृतिक खेती और गोधन से भी हो सकता है फायदा

केंद्रीय बजट में गोबरधन (गैल्वनाइजिंग आर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना से 500 नया बायो प्लांट लगाने का प्रस्ताव है। इसमें 200 कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट शामिल हैं। इसपर 10 हजार करोड़ रुपए खर्च किया जाना है। इसके साथ ही अगले तीन सालों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने में सहायता देने का प्रस्ताव आया है। छत्तीसगढ़ में गोधन न्याय योजना और गोबर खरीदी और उससे जैविक खाद और गौमूत्र से कीटनाशक आदि बनाने की योजना को इससे जोड़कर फायदा उठाया जा सकता है।

विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप बजट

रायपुर, 01 फ रवरी 2023(ए)। पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने केंद्रीय बजट को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप बजट बताया है। कांग्रेस के निराशाजनक बजट कहे जाने पर डॉ। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि यह ऐसा लोकप्रिय बजट है कि आने वाले चुनाव में ट्रंप कार्ड साबित होगा इसलिए कांग्रेस निराश हैं।

7 बिंदुओं पर समाहित सप्तऋषि बजट

पूर्व सीएम डॉ. रमन ने कहा, यह सप्तऋषि बजट है, जो अमृतकाल में मार्गदर्शन करेगी। यह 7 बिंदुओं पर समाहित बजट है, जिसे सप्त ऋषि कहा गया। समावेशी विकास, अंतिम व्यक्ति तक पहुंच, युवा शक्ति, वित्तीय क्षेत्र सभी के लिए बजट में प्रावधान है। बजट का आकार 12 फीसदी से बढ़कर 45 लाख करोड़ हो गया है। आगामी वित्तीय वर्ष में कर राजस्व प्राप्ति 23 लाख करोड़ हो जाएगा। राजस्व घाटा 1.7 फीसदी रह जाएगा. राजकोषीय घाटा 5.9 फीसदी पर आ गया है। राज्यों को जीएसडीपी के 3.5 फीसदी तक राजकोषीय घाटा की छूट दी गई है। आर्थिक विकास दर 7 फीसदी रहने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय 1.97 लाख रुपये हो गई है। नौ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था आकार में दसवें स्थान से पांचवे स्थान पर पहुंच गई है।अब सात लाख रुपये तक कमाई करने वालों को कोई कर नहीं देना होगा। जीडीपी विकास दर दुनिया में सबसे अधिक 6 फीसदी हो गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए 15 लाख की लिमिट को बढ़ाकर 30 लाख कर दिया गया है। महिला सम्मान बचत पत्र योजना शुरू हो रही है। महिलाओं के लिए यह अपनी तरह की विशेष स्कीम है।

पूर्व सीएम डॉ. रमन ने आगे कहा, पीएम आवास योजना के लिए 66 फीसदी बजट बढ़ाकर 79 हजार किया गया है। 2047 तक सिकल सेल एनीमिया समाप्त किया जाएगा। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 शुरू होगा। रेलवे के बजट का आकार बढ़ाया गया है। यह बजट दूरगामी सोच का परिणाम है। सर्व ग्राही और सर्व स्पर्शी बजट है।

केन्द्र सरकार का बजट निराशाजनक : भूपेश बघेल

रायपुर, 01 फ रवरी 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज केंद्र की मोदी सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत किए गए वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसे निर्मला जी का निर्मम बजट कहा जा सकता है, न इसमें युवाओं के लिए कोई सुविधा है, न किसानों की आय दोगुना करने की बात है, न महिलाओं के लिए है, न अनुसूचित जनजातियों के लिए और ना ही अनुसूचित जातियों के लिए कुछ है। ये बजट केवल चुनाव को देखते हुए बनाया गया बजट है। इसमें एक चीज चौंकाने वाली है, इसमें रेलवे के लिए 2 लाख 35 हजार करोड़ रूपए बजट में रखा गया है। क्या ये कर्मचारियों के लिए है, या नई भर्ती के लिए है। या ऐसा तो नहीं है जैसे एयरपोर्टों को बेचने से पहले सैकड़ों हजारों करोड़ नवीनीकरण के लिए लगा दिया गया और उसके बाद निजी हाथों में बेचा गया। इसी प्रकार की सोच तो नहीं है केन्द्र सरकार की। पहले चकाचक कर दिया जाए, फिर निजी हाथों में बेचा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए भी हम लोग उम्मीद कर रहे थे कि अम्बिकापुर से चलने वाली ट्रेन मिलेगी, जगदलपुर के लिए भी ट्रेन की व्यवस्था होगी। लेकिन कोई व्यवस्था नहीं हुई। महंगाई और बेरोजगारी को कम करने की कोई व्यवस्था नहीं है। नए लोगों को कैसे रोजगार मिलेगा, इसमें कुछ नहीं है। जितनी भी खाद्य सामग्री है, वो महंगी हो गई है। बजट में श्री अन्न की बात कही गई, कोदो-कुटकी, सांवा तक की बात कही गई, लेकिन इसकी एमएसपी भारत सरकार ने आज तक घोषित नहीं की और समर्थन मूल्य पर खरीदने की भी कोई बात किसानों के लिए नहीं कही गई। यह बजट निराशाजनक है।

अरुण साव बोले-ऐतिहासिक टैक्स रिफॉर्म्स से सबको राहत

रायपुर, 01 फ रवरी 2023(ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने केंद्र की मोदी सरकार के आम बजट का स्वागत करते हुए कहा है कि यह बजट गांव, गरीब, किसान, युवा, महिलाओं, बुजुर्गों, पिछड़ों, वंचितों, दलितों, जनजातीय समाज सहित हर वर्ग की आम जनता का खास बजट है।ऐतिहासिक टैक्स रिफॉर्म्स से सबको राहत मिली है। यह बजट, बुलंद भारत की मजबूत अर्थ व्यवस्था का प्रतीक है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि इस बजट ने छत्तीसगढ़ के लिए असीम संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। मिलेट मिशन का हमारे जनजातीय समाज को विशेष लाभ मिलेगा। एकलव्य विद्यालयों में भर्तियां होंगी तो वहीं हमारे तकनीकी शिक्षा संस्थानों को नवीन अवसर मिलेंगे। इस बजट में छत्तीसगढ़ के समग्र विकास का खाका तैयार हो गया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि समावेशी विकास पर आधारित यह बजट सबका साथ, सबका

विकास और सबका विश्वास का प्रतिफल है जो देश के विकास में ऐतिहासिक भूमिका निभाएगा। यह बजट घरेलू मोर्चे पर जन आकांक्षाओं की पूर्ति, जन संतुष्टि, संतुलन के साथ ही विश्व में भारतीय अर्थ व्यवस्था का डंका बजाने वाला बजट है। गांव गरीब किसान और कृषि के उत्थान की ठोस बुनियाद वाला बजट देश की युवा पीढ़ी के भविष्य को संवारने तत्पर है। यह रोजगार देने वाला बजट है। आम मध्यम वर्ग और आम जनता को राहत देने वाला बजट है। देश को नई ऊंचाई देने वाला बजट है। बुलंद भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था का प्रतीक बजट

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि बजट में बड़ा ऐलान किया गया है कि 7 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। आयकर स्लैब में बदलाव से 15 लाख की आय होने पर वेतन भोगियों को सालाना हजारों रुपये की बचत होगी।खिलौने, ऑटोमोबाइल, मोबाइल फोन, कैमरे के लेंस, टीवी, इलेक्ट्रिकल गाड़ी सस्ते होने से आम आदमी को महंगाई से राहत मिलेगी। बजट में युवाओं के लिए 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर खोले जाने की घोषणा ऐतिहासिक है। युवाओं के कृषि स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए फंड की स्थापना और अगले 3 साल में एक करोड़ किसानों को नेचुरल फार्मिंग में मदद देना, साथ ही 10,000 बायो सेंटर्स बनाना युवा और कृषि क्षेत्र में एक बड़ा प्रभावी कदम साबित होगा।

कोमल हुपेंडी बोले- शिक्षा-स्वास्थ्य की बात महज खानापूर्ति

रायपुर, 01 फरवरी 2023 (ए)। केंद्रीय बजट पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने अपनी प्रतिक्रया देते हुए बजट को दूर के ढोल सुहाने और आज के लिए निराशाजनक बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में आम लोगों के हित में कोई खास प्रावधान नहीं है। पीएम किसान सम्मान निधि में कोई इजाफा नहीं हुआ है।

इससे किसान वर्ग में निराशा है। कृषि सेक्टर में आय दोगुनी जैसी कोई बात नहीं है, अर्थात प्रधानमंत्री का 2023 तक किसानों की आय दुगनी का वादा भी महज एक जुमला ही बनकर रह गया है। किसानों को उत्पादन शुल्क व कुल व्यय राशि से न्यूनतम 10त्न अधिक विक्रय मूल्य निर्धारण की सुरक्षा प्रदान नहीं की गई है। किसानों के उत्पाद हमेशा घाटे का सौदा साबित हो रहे हैं। उसका प्रत्यक्ष उदाहरण टमाटर उत्पादक टमाटर को सड़कों में फेंक रहे हैं।

युवा बेरोजगारों की समस्या की बाते भी हवा हवाई ही है।

तेजराम विद्रोही बोले- कॉरपोरेट हितैषी है बजट

रायपुर, 01 फरवरी 2023(ए)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज केंद्रीय आम बजट 2023-24 प्रस्तुत की है। केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अखिल भारतीय क्रांतिकारी किसान सभा के सचिव तथा छत्तीसगढ़ किसान मजदूर महासंघ के संयोजक मंडल सदस्य तेजराम विद्रोही ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है। कोरोनकाल में जहां भारत की अर्थव्यवस्था ऋणात्मक रूप से 23 प्रतिशत नीचे चला गया था वहाँ भारतीय कृषि का योगदान अर्थव्यवस्था में धनात्मक 3 प्रतिशत थी।

आम जनता को केवल सपना दिखाया

वही अति अमीर कॉरपोरेट मुनाफा बटोरने में लगे रहे।

संक्षिप्त समाचार

आईएइस बसव राजू को बनाया गया गृह विभाग का विशेष सचिव

रायपुर, 01 फरवरी 2023 (ए)। राज्य शासन द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बसव राजू की पदस्थापना विशेष सचिव,गृह विभाग के रूप के की गई है। राजू को विशेष सचिव ,वन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

पुलिस जवान को बदमाश ने चाकू लेकर दौड़ाया

खुले आम लहराता रहा हथियार

रायपुर, 01 फ रवरी 2023 (ए)। राजधानी के डीडी नगर थाना क्षेत्र के रायपुरा चौक में एक आरोपी का खुलेआम चाकू लहराने का वीडियो सामने आया है। आरोपी पुलिस को भी चाकू दिखाकर डरा रहा है। डायल 112 की टीम सूचना पर पहुंची तो वह उन्हें चाकू दिखाकर धमका रहा था हालांकि पुलिस ने जैसे तैसे करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

राजधानी में अपराधियों को पुलिस का कोई खौफ ही नहीं है. आये दिन हो रहे वारदातों के बीच अब पुलिस पर भी असामाजिक तत्व हावी हो रही है. वही शहर का अब हल ऐसा है की पुलिस के साथ अपराधी मारपीट करने करने से भी पीछे नहीं हट रहे है. ऐसी ही एक घटना बुधवार को सामने आई. एक शराबी युवक ने पुलिस जवान को चाकू लेकर दौरा दिया. मामला डीडी नगर थाना के रायपुरा चौक की है. घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया में भी खूब वायरल हो रहा है. आरोपी का नाम सोहन साहू जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा : राहुल गांधी ने असंभव यात्रा को पूरा कर दिखाया

रायपुर, 01 फ रवरी 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल श्रीनगर दौरे से वापस रायपुर लौट आए है। एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए भारत जोड़ो यात्रा पर सीएम बघेल ने कहा कि राहुल गांधी ने असंभव यात्रा को पूरा कर दिखाया है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा आसान नहीं है।

पेश होने वाले केंद्रीय बजट को लेकर सीएम भूपेश ने कहा कि यहां के लोगों की डिमांड है कि जगदलपुर और सरगुजा के लिए ट्रेन मिले। इसके लिए प्रदेश में कई आंदोलन भी हुए हैं। सीएम ने कहा कि 2014 के बाद

कोयला की रॉयल्टी नहीं बढ़ी है, कोयला की रॉयल्टी बढ़ाई जाए। छत्तीसगढ़ के हिस्से का जीएसटी सेंट्रल एक्साइज का पैसा मिले।

धान खरीदी पर बोले सीएम

प्रदेश में रिकार्डतोड़ धान खरीदी को लेकर सीएम भूपेश ने कहा कि प्रदेश में रिकार्ड 1.07 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा खरीदी हुई है। पिछले 4 साल में कई रिकॉर्ड बनते रहें है। पहले साल रिकार्ड 84 हजार मीट्रिक टन खरीदी हुई। इसके बाद से ये आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है।

सरकारी विभागों में 28 फरवरी के बाद खरीदी पर लगी रोक,वित्त विभाग से आदेश जारी

रायपुर, 01 फरवरी 2023 (ए)। । सरकारी विभागों में 28 फरवरी के बाद खरीदी पर रोक लगा दी है। वित्त विभाग ने इसके लिए निर्देश जारी किया है। कुछ मदों को इसमें छूट दी गई है। इन मदों में 28 फरवरी के बाद वित्त विभाग की स्वीकृति से खरीदी होगी। राज्य की वित्तीय स्थिति को संतुलित बनाए रखने के लिए शासकीय विभागों में खरीदी के संबंध में स्थायी निर्देश दिया गया है। वित्त विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष के अंतिम महीनों में अनेक विभागों में जल्दबाजी में केवल बजट उपयोग करने के लिए खरीदी की जाती है। इससे शासन की राशि अनावश्यक रूप से फंस जाती

है।

केंद्र और विदेशी सहायता की योजना पर छूट वित्त विभाग के अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय क्षेत्रीय योजना, केंद्र प्रवर्तित योजना, विदेशी सहायता प्राप्त परियोजना, केंद्रीय वित्त आयोग की अनुशंसा पर प्राप्त अनुदान, नाबार्ड पोषित योजना और अतिरिक्त एवं विशेष केंद्रीय सहायता पोषित परियोजनाओं को छूट है।

लोक निर्माण, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं वन विभागों में आगामी एक माह में उपयोग आने वाली सामग्री पर प्रतिबंध लागू नहीं होगा वहीं जेल, शासकीय बीमा अस्पताल, छात्रावास आदि में दवा, भोजन, कपड़े की खरीदी की जा सकेगी।

घी कारोबारी ने खोला कांग्रेस नेता की हत्याकांड का राज

» बोला- एक लाख में तय हुआ था सौदा

बिलासपुर, 01 फरवरी 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के हिस्ट्रीशीटर कांग्रेस नेता संजू त्रिपाठी की हत्या में शामिल चंदौली के घी कारोबारी प्रसीन केशरी (27) को सोमवार को बिलासपुर पुलिस ने मीडिया के सामने पेश किया।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बीच सड़क कांग्रेसी नेता संजू त्रिपाठी की नृशंस हत्या में चंदौली के घी करोबारी प्रसीन केशरी शामिल था। प्रसीन ने ही कांग्रेस नेता संजू की गाड़ी के आगे अपनी कार अड़ाकर रोकी थी। जिसके बाद उसके साथियों ने गोली मारकर संजू की हत्या कर दी थी। मात्र एक लाख रुपये के लिए इस वारदात को अंजाम दिया गया।

सोमवार को बिलासपुर पुलिस ने मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के राममंदिर वार्ड निवासी घी कारोबारी प्रसीन केसरी को मीडिया के सामने पेश किया। बिलासपुर एसएसपी पारुल माथुर ने बताया कि संजू त्रिपाठी की हत्या की साजिश उसके भाई कपिल त्रिपाठी ने रची थी। उसने उत्तरप्रदेश के शूटर्स को हत्या की सुपारी दी थी। पुलिस की जांच में शूटर्स की पहचान हो गई।

उत्तरप्रदेश के चंदौली जिले के मुगलसराय में रहने वाले प्रसीन केशरी पिता प्रमोद केशरी (27) को गोरखपुर से लखनऊ एटीएस के माध्यम से पुलिस ने पकड़ा। प्रसीन ने पूछताछ में बताया कि पांच-छह महीने पहले बनारस से बस से बिलासपुर पहुंचा।

संजू त्रिपाठी के भाई के घर बनी थी हत्या की साजिश

प्रसीन ने पुलिस को बताया कि बिलासपुर में प्रेम श्रीवास उन्हें लेने के लिए बस स्टैंड आया। जहां से उन्हें संजू के भाई कपिल त्रिपाठी के

निवासी विनय द्विवेदी उर्फ गुरूजी उर्फ वासू से मुलाकात हुई थी। तब वासू ने कहा था कि बिलासपुर जाकर एक काम करना है। काम के एवज में एक लाख रुपए मिलेगा। वह पैसों की लालच में आकर 9 दिसंबर को वासू के साथ बनारस के साथ उनकी मीटिंग हुई। इस दौरान उसने अपने भाई कपिल त्रिपाठी की हत्या करने की जानकारी दी।

दिनदहाड़े हत्याकांड की पुरानी कहानी

बिलासपुर एसएसपी पारूल माथुर ने बताया कि पूछताछ में प्रसीन केशरी ने हत्या का पूरा राज खोल दिया। बताया कि कपिल त्रिपाठी ने अपने पास तीन पिस्टल और करीब 20 कारतूस रखे थे। इसी दौरान तय किया गया कि 14 दिसंबर को संजू को मारना है। सभी 14 दिसंबर को कपिल के फार्म हाउस में बैठे थे। तभी दोपहर तीन बजे कपिल त्रिपाठी के पास फोन आया। फोन करने वाले ने उसे बताया कि संजू अपने फार्म हाउस से 3.30 बजे निकलेगा। इसके बाद सभी लोग अलग-अलग चार गाड़ी में सवार होकर कपिल त्रिपाठी के फार्म हाउस से सकरी बाईपास के लिए निकल गए। प्रसीन केसरी सफेद रंग की कार में सवार था। उसके साथ भरत तिवारी, आशीष तिवारी, राजेंद्र ठाकुर बैठे थे। नीले रंग की एक कार को विनय द्विवेदी उर्फ वासू चला रहा था।

उसके साथ शूटर्स दानिश, पप्पू दाढ़ी एजाज उर्फ सोनू कट्टा कारतूस से लैस होकर लेकर बैठे थे। सभी लोग सकरी बाईपास जाकर संजू त्रिपाठी के इंतजार में थे। तभी दानिश के पास फोन आया कि संजू त्रिपाठी की गाड़ी एमजी हैक्टर सफेद रंग की है जिसमें लाल रंग का बोर्ड लगा है।

करीब 04.10 बजे लाल रंग का बोर्ड लगा सफेद रंग की एमजी हेक्टर गाड़ी आई तो योजना के मुताबिक प्रसीन ने अपनी कार को स्पीड ब्रेकर के आगे एमजी हेक्टर से टिकाकर अड़ा दिया। इतने में नीले रंग की कार में सवार पप्पू दाढ़ी, दानिश, एजाज उर्फ सोनू और वासू उतर कर आए और संजू की गाड़ी को घेर लिए।

गाड़ी के दाहिने की ओर से ड्राइवर सीट पर बैठे संजू पर दानिश अंसारी ने पहली गोली चलाई। इसके बाद एजाज उर्फ सोनू और बाई तरफ से पप्पू दाढ़ी और वासू संजू त्रिपाठी पर फायरिंग करने लगे। संजू त्रिपाठी को गोली मारने के बाद फिर सभी अलग-अलग गाड़ी में बैठकर उत्तर प्रदेश की ओर भाग गए।

घर ले गया। वहां दानिश अंसारी और बनारस निवासी एजाज अंसारी उर्फ सोनू पहले से ही थे। 11 दिसंबर को बनारस निवासी पप्पू उर्फ दाढ़ी नाम का व्यक्ति भी कपिल त्रिपाठी के घर पहुंचा। फिर रात करीब आठ बजे कपिल त्रिपाठी

अप्रैल महीने से मिलेगी फोर्टिफाइड चावल

बिलासपुर , 01 फरवरी 2023 (ए)। भारत सरकार के निर्देशानुसार केन्द्रीय योजनाओं में माह अप्रैल 2023 से कार्ययोजना बनाकर जिले में राष्ट्रीय खाद्य अधिनियम अंतर्गत जारी अन्त्योदय एवं प्राथमिकता श्रेणी के राशनकार्डों पर फोर्टिफाईड चावल का वितरण किया जायेगा।

राज्य शासन के खाद्य नागरिक एवं आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण द्वारा जारी आदेशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जारी अन्त्योदय, प्राथमिकता श्रेणी एकल निराश्रित, निःशक्तजन राशनकार्डो में एपीएल राशन कार्ड को छोड़कर अप्रैल 2023 से फोर्टिफाईड चावल वितरण प्रारंभ किया जाएगा। कलेक्टर सौरभ कुमार ने जिले में संचालित सभी उचित मूल्य की दुकानों में अप्रैल 2023 से फोर्टिफाईड चावल वितरण की जाने एवं आवश्यक तैयारी करने कहा है इसके साथ ही विभिन्न माध्यमों से इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने को भी कहा है।

फोर्टिफाईड चावल में आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 जैसे पोषक तत्व होते है, जो एनिमिया और कुपोषण जैसे बीमारियों से निपटने में कारगर होता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)